सूविचार

दोस्त बेशक एक हो लेकिन ऐसा हो जो अलफाज से ज्यादा खामोशी को समझे।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 22 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सीआरपीएफ ने आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों में निभाई अहम भूमिका

2026 तक देश होगा नक्सलवाद से मुक्त : केन्द्रीय मंत्री शाह

» राष्ट्र की सुरक्षा के लिये सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन कर बलिदान दिया » केन्द्रीय मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. यादव नीमच में सीआरपीएफ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ के योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफ कर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफ में अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफ को आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफ को 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचालक हैं। स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। श्री शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में कोबरा, आरएएफ वैली क्यूएटी और डॉग स्क्वॉड जैसी विशेष इकाईयों द्वारा प्रभावशाली एवं आकर्षक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने सीआरपीएफ परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प-चक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित की। सीआरपीएफ के स्थापना दिवस समारोह की परेड के बाद केन्द्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सीआरपीएफ कैम्प नीमच के परिसर में ' 'राष्ट्र सेवा में समर्पित सीआरपीएफ के विभिन्न आयाम चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

संघ प्रमुख मोहन भागवत 14 साल बाद अलीगढ़ आएंगे, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बृहस्पतिवार शाम को पांच दिवसीय दौरे पर अलीगढ़ आ रहे हैं। अलीगढ़ के जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने कहा, पांच दिवसीय यात्रा के लिए सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। यह 14 साल में शहर की उनकी पहली यात्रा होगी। अलीगढ़ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक प्रभाकर चौधरी ने मथुरा रोड स्थित केशव सेवाधाम परिसर में तैयारियों का निरीक्षण किया। भागवत की बैठकों का मुख्य स्थल केशव सेवाधाम परिसर है। चौधरी ने कहा, सेवाधाम और उसके आसपास कड़ी सुरक्षा की गई है। रेलवे स्टेशन और बस डिपो सहित सभी भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। संघ के सूत्रों ने बताया कि भागवत की यात्रा संघ के शताब्दी समारोह के तहत संघ के कार्यक्रम का हिस्सा है, जो इस साल विजयादशमी के अवसर पर शुरू होगा। उन्होंने बताया कि अपने प्रवास के दौरान, संघ प्रमुख द्वारा विस्तार योजनाओं, विशेष रूप से ग्राम पंचायत स्तर परउपस्थिति को मजबूत करने के प्रयासों की समीक्षा करने की उम्मीद है। ऐसी अटकलें हैं कि उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवास के दौरान भागवत से मिल सकते हैं, लेकिन अभी तक ऐसी बैठकों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस आपको नहीं बचाएगी, दिलीप घोष का हिंदुओं से सुरक्षा के लिए घर पर हथियार रखने का आह्वान

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने हिंदुओं से सुरक्षा के लिए घर पर हथियार रखने का कथित आह्वान करके राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया है। कथित टिप्पणी वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद में हुई झड़पों में तीन लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद सामने आई है। उनकी टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर हिंदू समुदाय से हथियार रखने को कहा क्योंकि पुलिस उन्हें नहीं बचाएगी। हाल ही में मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बारे में उत्तर 24 परगना जिले में एक सार्वजनिक रैली में घोष को यह कहते हुए सुना गया, 'हिंदू टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर और नए फर्नीचर खरीद रहे हैं। लेकिन उनके घर में एक भी हथियार नहीं है। जब कुछ होता है, तो वे पुलिस को बुलाते रहते हैं। पुलिस आपको नहीं बचाएगी। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष घोष ने यह भी कहा कि हिंदुओं को एकता की जरूरत का एहसास हो गया है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले लोग नहीं जानते थे कि रामनवमी जुलूस क्या होता है। आज हर इलाके में ऐसे जुलूस निकाले जा रहे हैं, क्योंकि हिंदुओं को एहसास हो गया है कि उन्हें एकजुट होने की जरूरत है।

स्टालिन ने किया विरोध तो फडणवीस ने अपनाया, महाराष्ट्र में कक्षा 1 से 5 तक हिन्दी होगी अनिवार्य

नई दिल्ली। भाषा विवाद के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की है कि 2025-26 शैक्षणिक सत्र से कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा के रूप में पेश किया जाएगा। बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक सरकारी संकल्प (जीआर) के माध्यम से निर्णय सार्वजनिक किया गया। अभी तक, तीन-भाषा सूत्र केवल माध्यमिक शिक्षा स्तर पर लागू किया गया है। इस कदम के साथ, यह सूत्र अब मराठी-माध्यम और अंग्रेजी-माध्यम विद्यालयों में भाषाई ढांचे को नया रूप देने के उद्देश्य से प्राथमिक शिक्षा तक विस्तारित होगा। नए अपनाए गए राज्य पाठ्यक्रम ढांचे के अनुसार, दोनों माध्यमों के छात्रों को कक्षा 1 से ही हिंदी सीखना शुरू करना होगा।

भारत को पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए: हिमंत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की हालिया टिप्पणियों पर बृहस्पतिवार को कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत सच्चाई को स्वीकार करे और पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध बनाने की उम्मीद छोड़ दे। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अपने हालिया संबोधन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गहरी वैचारिक खाई है।'' मुनीर का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने यह स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान मूल रूप से अलग देश हैं, क्योंकि दोनों देशों के धर्म, रीति-रिवाज, परंपराएं, सोच और महत्वाकांक्षाएं हर पहलू में एक-दूसरे से अलग हैं। शर्मा ने कहा, ''यह परिप्रेक्ष्य द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को पुष्ट करता है, जिसने 1947 में पाकिस्तान के निर्माण की नींव रखी।''

उपराष्ट्रपति धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को सलाह, राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

अनुच्छेद 142 के तहत मिले अधिकार न्यूक्लियर मिसाइल बन गए

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर बनाम राज्य सरकार मामले में गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोकने को अवैध बताया। राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित कर धनखड़ ने कहा, हमारे पास इसतरह के न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा के घर अधजली नकदी मिलने के मामले में अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई?

जाति जनगणना रिपोर्ट पर कर्नाटक सरकार चर्चा करेगी और फैसला लेगी खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करेगी और उचित फैसला करेगी। सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को जाति जनगणना नाम से भी जाना जाता है। खड़गे ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने इसे नहीं देखा है। खड़गे ने कहा कि यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है, हर राज्य अपना काम करता है। केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार मंत्रिमंडल में चर्चा करेगी और फैसला लेगी। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है। मामला राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के विरोध के बारे में कहा कि विरोध हो सकता है। मैंने अपनी राय साझा की है। जाति जनगणना पर विरोध के बीच सीएम सिद्धरमैया की अगुवाई में कर्नाटक सरकार की एक विशेष बैठक गुरुवार को बुलाई गई है।

तीसरे दिन भी ईडी के दफ्तर पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका गांधी भी दिखीं साथ

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाड्रा तीसरे दिन गुरुवार को भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी और वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी नजर आईं। ईडी ने समन भेजकर वाड्रा को पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया था, इसके चलते मंगलवार को वो ईडी के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 5 घंटे पूछताछ की गई थी, इसके बाद बुधवार को भी वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 6 घंटे तक पूछताछ हुई और अब तीसरे दिन गुरुवार को फिर वाड्रा ईडी के समक्ष पेश हुए। हरियाणा के शिकोपुर लैंड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना कर रहे रॉबर्ट वाड्रा गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी उनके साथ मौजूद रहीं। वाड्रा से ईडी द्वारा बुधवार को करीब 6 घंटे और मंगलवार को साढ़े 5 घंटे पूछताछ की गई थी। अब तक कुल मिलाकर 11 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की जा चुकी है। यह मामला वर्ष 2008 में गुरुग्राम के मानेसर-शिकोहपुर इलाके में खरीदी गई जमीन से जुड़ा बताया गया है, जिसे कथित तौर पर वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटलिटी ने 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा और 2012 में डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेचा जाना दृष्टव्य है।

मनमानी फीस वसूलने की शिकायतों पर दिल्ली की रेखा सरकार ने लिया एक्शन

600 निजी स्कूलों का निरीक्षण कर कई को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा सरकार ने मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद 600 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया और 10 से ज्यादा स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एक बयान के मुताबिक दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने मनमाने ढंग से और ज्यादा फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद निजी स्कूलों की जांच के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया है।

एसडीएम की अध्यक्षता वाली इन समितियों में शिक्षा उपनिदेशक, लेखा अधिकारी और सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य शामिल किए गए हैं। टीम को निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, जिनमें शिक्षा निदेशालय को मिली शिकायतों में खासतौर पर उल्लेखित स्कूल शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि दिल्ली के अब तक 600 से ज्यादा स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया अभी जारी है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि मुनाफाखोरी के लिए मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करने के लिए दोषी पाए स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया कि 10 से ज़्यादा ऐसे स्कूलों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि गंभीर मामलों में मान्यता रद्द करने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने जैसी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है। बता दें बुधवार को कई अभिभावकों ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था और बढ़ी हुई स्कूल फीस को वापस लेने और मामले में अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। दिल्ली में निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा अनियमित और अत्यधिक फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिभावकों द्वारा लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं। उन्होंने स्कूलों पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र देने से इनकार करना और अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर छात्रों के नाम काटने की धमकी देना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने 15 अप्रैल को उन निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया था, जिन्होंने मनमाने ढंग से फीस बढ़ाई है। निजी स्कूलों के लिए शून्य सहनशीलता की नीति को व्यक्त करते हुए सीएम गुप्ता ने कहा कि सरकार कार्रवाई करेगी और उन संस्थानों को नोटिस भेजेगी जिनके बारे में अभिभावकों ने शिकायत की हैं।

मामला

वक्फ कानून पर 'सुप्रीम' सुनवाई: सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का समय

अगली तारीख तक यथास्थिति बनी रहेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया। सरकार ने यह भी आश्वासन दिया कि अगली सुनवाई तक उपयोगकर्ता की ओर से वक्फ या दस्तावेजों की ओर से वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है, तो उन संपत्तियों को 5 मई को अगली सुनवाई तक गैर-अधिसूचित नहीं किया जा सकता। इसके बाद कोर्ट ने मामले की अगली तारीख 5 मई तय की।

सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। सरकार को लाखों-लाखों प्रतिनिधि मिले, गांव-गांव वक्फ में शामिल किए गए। इतनी सारी जमीनों पर वक्फ का दावा किया जाता है। इसे कानून का हिस्सा माना जाता है। अंतरिम रोक की राय पर मेहता ने कहा कि कानून पर रोक लगाना एक कठोर कदम होगा। उन्होंने अदालत के सामने कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस दौरान बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिस पर इस तरह से विचार किया जा सके।

पूरी दुनिया समझ रही है सनातन संस्कृति को: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हर ब्लॉक में वृंदावन गांव बनाए जाएंगे, दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को नंबर वन बनाएंगे

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को अब बेहतर तरीके से समझ रही है। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक में एक वृंदावन गांव बनाया जाएगा और दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को देश में नंबर वन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में सोमयज्ञ में सम्मिलित हुए और यज्ञ में आहुति देने के साथ संतों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजा-अर्चना की तथा सुख, शांति, समृद्धि कामना की। मुख्यमंत्री ने मंच से संत जनों का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया। पवित्र नगरी मंदसौर को नशा मुक्त करने पर 160 समाजों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। इस दौरान सर्वाध्यक्ष पू.पा. डॉ. आचार्य गोस्वामी श्री गोकुलोत्सवजी महाराज, जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, वल्लभ मूल के आचार्यगण, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक सर्वश्री चंदर सिंह सिसोदिया, ओम प्रकाश सखलेचा, माधव मारू, दिलीप सिंह परिहार और श्री राजेश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हम सब सोमयज्ञ का हिस्सा बने है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस यज्ञ का विशेष महत्व है। पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को समझ रही है। सनातन संस्कृति की अपनी अलग विशेषता रही है। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में वर्तमान में 9त्न दूध उत्पादन होता है जिसको बढ़कर 20 प्रतिशत किया जाएगा। दूध उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को प्रथम स्थान पर लाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर ब्लॉक में वृंदावन गांव बनाए जाएंगे। दूध का उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास किये जाएंगे। गांव की गौशाला अच्छे से संचालित हो इसके लिए प्रयास होंगे। एक व्यक्ति 25 गाय की एक इकाई मानकर आठ इकाई रख सकेंगे। कामधेनु योजना को जमीन स्तर पर उतारेंगे। समाज में संस्कार दिखे इसके लिए धार्मिक नगरों में शराबबंदी की गई। कृष्ण की लीलाओं के पवित्र स्थान को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएंगे।

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन ऐतिहासिक पहल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं तैयार की जा रही हैं। मध्यप्रदेश में वर्तमान दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर जल्द से जल्द 20 प्रतिशत तक करने के लिए राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना प्रारंभ की है। इससे हम घर-घर गोकुल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमने गौशालाओं में दुधारू पशुओं के लिए भी अनुदान राशि बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत ञ्च2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिए हैं। मंत्रि-परिषद की गत दिवस मंगलवार को बैठक में मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी गई है।

बांधवगढ़ की 200 एकड़ वनभूमि पर अवैध कब्जा, हाईकोर्ट ने अफसरों को भेजा नोटिस

भोपाल

एमपी के उमरिया जिले में स्थित बांधवगढ़ में करीब 200 एकड़ वनभूमि पर लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। कब्जाधारियों ने इस जमीन पर खेती और मकान बना लिए हैं। यह जमीन वनसंरक्षित क्षेत्र का हिस्सा है। इस मामले में अब हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए अधिकारियों को नोटिस भेजा है। कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अधिकारियों से जवाब मांगा है। इस मुद्दे को लेकर खलौंद निवासी रामलखन सेन ने एमपी हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की। याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने इस पर गंभीरता दिखाई है। याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने प्रमुख सचिव वन विभाग, उमरिया कलेक्टर, वन अधिकारी व डिप्टी डायरेक्टर को नोटिस जारी करते हुए 4 सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओं परिमल चतुर्वेदी, अनुज पाठक, विशेष पांडे और साकेत सिंह ने अदालत को बताया कि बांधवगढ़ में इस अवैध कब्जे की जानकारी वन विभाग और संबंधित मंत्रियों, अधिकारियों को भी दी गई थी, परंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई। जानकारी के बाद भी अधिकारी इस पर गंभीर नहीं दिखे। मध्य प्रदेश में वन और पर्यावरण की रक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले आईएफएस अफसरों की संपत्ति के ब्योरे ने चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। आईएएस और आईपीएस अफसरों की तरह ही आईएफएस अधिकारी भी संपत्ति के मामले में पीछे नहीं हैं। खास बात यह है कि इन अफसरों ने देश के बड़े शहरों के अलावा उन क्षेत्रों में भी संपत्ति खरीदी है जो टाइगर रिजर्व के आसपास स्थित हैं। इन अफसरों ने अपनी प्रॉपर्टी की जानकारी में बताया है कि उन्होंने देश और प्रदेश के बड़े शहरों जैसे इंदौर, सिवनी , छिंदवाड़ा, खरगोन, खंडवा, महेश्वर में भी जमीन, मकान और प्लॉट खरीदे हैं। खास बात यह है कि इन जिलों के जिन इलाकों में जमीन खरीदी गई हैं, वह टाइगर रिजर्व के आसपास आते हैं।

18-19 अप्रैल को अवकाश के दिन में भी सभी उपार्जन केंद्रों पर होगी गेहूं की खरीदी

भोपाल। प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूं विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी विंध्य की माटी का गौरव: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का भोपाल स्थित निवास पर किया आत्मीय स्वागत

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज अपने भोपाल स्थित निज निवास पर भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी एवं उनकी धर्मपत्नी का सपरिवार आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य अंचल की धरती से निकलकर भारतीय सेना के सर्वोच्च पद पर पहुंचे जनरल उपेंद्र द्विवेदी 'विंध्य की माटी का गौरव' हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी को देश की सीमाओं की सुरक्षा में उनकी वीरता, नेतृत्व क्षमता एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनरल द्विवेदी विंध्य क्षेत्र के उन अनमोल रत्नों में से हैं, जिन पर सम्पूर्ण प्रदेश को गर्व है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जनरल द्विवेदी जैसे व्यक्तित्वों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल एवं जनरल द्विवेदी के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक एवं उपयोगी चर्चा हुई।

गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

भोपाल। वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों को बचाने और उनके संरक्षण के लिये गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ा गया। इनमें 2 सफेद पीठ वाले गिद्ध एवं 4 लम्बी चोंच वाले गिद्धों को मुक्त किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव श्री शुभरंजन सेन ने बताया कि मुक्त किये गये सभी गिद्धों पर ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाये गये हैं। इसके माध्यम से उनके आवागमन के पैटर्न और आवास उपयोग की निगरानी की जा रही है। श्री सेन ने बताया कि डायरेक्टर टेक फॉर कंजर्वेशन जी. अरेन्द्रन, विश्व प्रकृति निधि भारत द्वारा गिद्धों को ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गिद्धों के पहले समूह को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ने के अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव एल. कृष्णमूर्ति, संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान मीना अवधेश कुमार शिव कुमार, सहायक संचालक वन विहार संदेश माहेश्वरी, बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी मुम्बई के प्रतिनिधि, उप संचालक डॉ. सुजीत नरवड़े, डॉ. सरवन सिंह राठौर, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर के सबसे मंहगे कॉन्सर्ट अरिजीत सिंह के आयोजकों से मिलेगा भारी-भरकम टैक्स

इंदौर। इंदौर में सिंगर दिलजीत दोसांझ, हनी सिंह के लाइव कॉन्सर्ट के बाद अरिजीत सिंह के शो को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया था। इसको लेकर जब शो के आयोजकों को नगर निगम की तरफ से टैक्स का नोटिस गया तो उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि उनके टिकिट की राशि में मनोरंजन कर पहले से जुड़ा हुआ है। ऐसे में वे शो के दो दिन छोड़कर बाकी के दिन में बिके टिकिट की राशि का टैक्स शो से पहले ही जमा करवा देंगे। बता दें कि सिंगर अरीजित सिंह का शो अभी तक इंदौर में किए गए लाइव कॉन्सर्ट में सबसे महंगा है। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि शो के टैक्स को लेकर आयोजकों को नोटिस दिया गया था। उसका जवाब आ गया है। उसमें आयोजकों ने कहा है कि वह 16 अप्रैल तक बिके टिकट पर लिए गए मनोरजंन कर को आयोजन से पहले निगम को दे देंगे। बाकी 17 व 18 अप्रैल को जो टिकट बिकेंगे, उसका एक अनुमान लगाकर एडवांस टैक्स भर दिया जाएगा। इसके लिए वह निगम अधिकारियों को टिकट बिक्री रिकॉर्ड और इस पर लिए टैक्स का हिसाब लेकर बैठक भी करेंगे। निगमायुक्त वर्मा ने आयोजकों से साफ कह दिया है कि बिना टैक्स चुकाए आयोजन नहीं होगा। असल में नगर निगम के अफसरों ने साफ कर दिया है कि जब तक आयोजक एडवांस टैक्स जमा नहीं करेंगे, तब तक आयोजन को लेकर अनुमति जारी नहीं की जाएगी। ऐसी स्थिति में अब निगम आयोजन स्थल सीङ्क21 पर भी सख्ती करने के मूड में है। क्योंकि स्थानीय स्तर पर वही आयोजन को लेकर पार्टनर है। बता दें कि दिलजीत दोसांझ के शो का टैक्स अभी तक जमा नहीं हो पाया है। नगर निगम की टीम ने सिंगर हनी सिंह के शो के आयोजकों को भी टैक्स जमा कराने को लेकर नोटिस दिया था, लेकिन आयोजकों ने पूरा टैक्स जमा नहीं किया था। इसके बाद निगम का अमला आयोजन स्थल पर पहुंच गया था और आयोजकों का साउंड सिस्टम जब्त कर लिया था। इसके बाद आयोजक हाई कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन कोर्ट ने भी टैक्स जमा करने को लेकर आदेश जारी किए थे।

ताप विद्युत गृहों में बायोमास के उपयोग के लिए की जा रही कार्रवाई की समीक्षा

भोपाल। प्रदेश में पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिये उपलब्ध बायोमास के ताप विद्युत गृहों में उपयोग के संबंध में बुधवार को प्रदेश के सभी 15 ताप विद्युत गृहों एवं 17 कैप्टिव ताप विद्युत गृहों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी के साथ प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृहों एवं कैप्टिव ताप विद्युत गृहों के अधिकारी वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सदस्य सचिव मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री कोठारी ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल कोयला खपत का 5 प्रतिशत तथा वर्ष 2025-26 में कुल कोयला खपत का 7 प्रतिशत बायोमास कोयले के साथ बॉयलर में जलाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अनुसार प्रदेश के सभी ताप विद्युत गृह निर्धारित नीति के अनुरूप नहीं हैं। ताप विद्युत गृहों के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा बायोमास के उपयोग के लिये समुचित कार्रवाई की जा रही है। इसमें बायोमास के फीडिंग सिस्टम, लोडिंग-अनलोडिंग, भंडारण संबंधी व्यवस्थाओं का विकास बायोमास प्रदाय करने के लिये उपलब्ध वेण्डर्स की इन्वेन्ट्री एवं टेण्डर संबंधी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ ताप विद्युत गृहों जैसे जयप्रकाश पॉवर वेन्चरर्स सिंगरौली एवं बीना, हिंडाल्को सिंगरौली, एनटीपीसी लिमिटेड के विंध्याचल, गाडरवारा और खरगौन में बायोमास का उपयोग प्रारंभ कर दिया गया है। इसे लक्ष्य अनुसार किया जायेगा। प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि प्रदेश में बायोमास निर्धारित मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इसीलिये प्रदेश के बाहर जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश बायोमास को वेण्डर्स के माध्यम से प्राप्त कर उसका उपयोग कर रहे हैं। शासन द्वारा भी प्रदेश में बायोमास आधारित पैलेट/ब्रिकेट मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों की स्थापना का प्रयास किये जाने चाहिये।

श्रमदान कर जल संरचनाओं के संरक्षण और सफाई के लिए किए जा रहे काम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में 30 मार्च से निरंतर जल संरचानाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सफाई और गहरीकरण के बाद पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है। जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण की शुरूआत क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की उपस्थिति में भूमि-पूजन से हुई। सांसद श्री कुशवाह ने बताया कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना में 3 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई है। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने जानकारी दी कि तालाब के चारों और सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। इससे तालाब का जल स्तर बढ़ेगा। सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों की सफाई के साथ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। चितरंगी शासकीय कन्या विद्यालय में जल के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अपने विचार रखे। छात्राओं ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। धार जिले में नगर के रामतलाई तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में जिला आयुष कार्यालय से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों ने तालाब की सफाई का कार्य किया। आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 80 त्रिमूर्ति नगर की कार्यकर्ता और सहायिका ने आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों से पोषण आहार के बारे में जानकारी प्राप्त की। तालाब के सफाई कार्य में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। बड़वानी जिले में जन भागीदारी से जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे है। जनपद पंचायत पानसेमल के ग्राम राखी बुजुर्ग में विधायक श्री श्याम बर्डे के उपस्थिति में वाटर शेड मिशन में कार्य की शुरूआत की गई। क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने बताया कि राखी बुजुर्ग के निकट सुसरी नदी पर बांध बनाये जाने की स्वीकृति मिली है। जनपद क्षेत्र में जल बचाव और पौध संरक्षण पर बच्चों की चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता हुई।

बुरहानपुर जिले के नेपानगर परिषद द्वारा ऐतिहासिक सीतानहानी धार्मिक पर्यटन स्थल के पवित्र कुंडों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई की गई। नेवा नगर के सीएमओ ने बताया कि सीतानहानी की अविरल बहने वाली जल धारा से वार्ड क्रमांक 22 में जल प्रदाय किया जाता है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती भारती पाटील पार्षदगणों और नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम के समापन पर गंगा मैया की आरती की गई।

राज्य आनंद संस्थान खुशहाली आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव बढ़ाने के लिए प्रयासरत

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान जीवन में खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्यरत है। आनंद शिविरों के माध्यम से इस दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। आनंद शिविर का आयोजन शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों के लिए किया जाता है। इन शिविरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाना एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान आशीष कुमार ने बताया कि जीवन में आनंद के साथ प्रत्येक कार्य करना चाहिए। विभाग का उद्देश्य आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान तथा उन्हें परिभाषित करना है। राज्य में आनंद का प्रसार करने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करने का कार्य भी किया जा रहा है। आनंद की अवधारणा का नियोजन नीति निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाना, आनंद की अनुभूति के लिये एक्शन प्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण भी किया जा रहा है। निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना, आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना, आनंद के प्रसार माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना और आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने का कार्य आनंद विभाग द्वारा किया जा रहा है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कटनी में विकासखंड ढीमरखेड़ा के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास पर पांच दिवसीय कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

टिकरवारा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत

मण्डला। जिला मंडला के ग्राम टिकरवारा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के आगमन पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने अभिनंदन किया।साथ ही शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपा।जिसमें प्रमुख मांगे इस प्रकार थीं -शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए,अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जाए,2005 से नियुक्त शासकीय सेवकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए,शिक्षकों को 300 दिवस का अर्जित अवकाश,पदोन्नति,क्रमोन्नति समय पर दी जाए,अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण आदि । शिक्षकों की समस्यायों को राज्ञयों के सीएम तक पहुंचाने के इस अवसर पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विवेक शुक्ला,वरिष्ठ पदाधिकारी असीम गौतम,राजकुमार सिंगौर,मेडम निहारिका उइके,श्रीमती इंद्रा सिंगरौरे,श्रीमती ऋतु सिंगौर के अलावा सचिव रेवा शंकर पांडे, घनश्याम चौरसिया, उदयकांत अवस्थी,राकेश शुक्ला,प्रियदर्शन पटेल, दिनेश दुबे,नंद कुमार मार्को,महेश नामदेव,दुष्यंत कच्छवाहा, संदीप, दीपक कछवाहा आशुतोष कछवाहा कृष्णेश कछवाहा,शांति मरावी,सुरेखा बैस, प्रभात पटैल सहित समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं तथा शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से जिले की लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित की राशि

औबेदुल्लागंज । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बुधवार को मण्डला जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की ला?ली बहनों के बैंक खाते में अप्रैल माह की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा ला?ली बहना योजना अंतर्गत रायसेन जिले की 247861 हितग्राही ला?ली बहनों के खाते में कुल 30 करो? 27 लाख 76 हजार 850 रू की राशि अंतरित कि गई। मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का रायसेन जिले की सभी ग्राम पंचायतों और निकायों में वर्चुअली लाईव प्रसारण देखा व सुना गया। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना हम जैसी जरूरतमंद महिलाओं के जीवन में आशा की नई किरण है। एक ओर यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला रही है तो वहीं दूसरी ओर बहनों को आत्मनिर्भरता का रास्ता दिखा रही है। यह कहना है रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज वार्ड नंबर 12 अर्जुन नगर निवासी ला?ली बहना श्रीमती सुनीता मुन्ना कहार का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए वे कहती हैं कि योजना के तहत हर माह मिलने वाली धनराशि का उपयोग वह बच्चों के खिलौने और कॉपी-किताबों के लिए करती हैं। साथ ही घर की छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी मदद हो जाती है। पति मजदूरी करते हैं 1250 रुपए मिलने से घर का किराने का सामान भी हम ले लेते हैं द्य

जल संकट निवारण के लिए नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

सिवनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संस्कृति जैन ने जिलें में जल संकट निवारण के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेशानुसार नगर पालिका सिवनी एवं मास्टर प्लान क्षेत्र (ग्राम-बीजांवाडा (रैयत), मानेगांव, बिठली, पलारी, छिड़िया, डोरली छतरपुर, बोरदेही, खैरी, सिमरिया, मरझोर, बम्होडी, लखनवाड़ा, कोनियापार, परतापुर, लोनिया, लुधरवाडा में जल संकट की आपात कालीन परिस्थितियों में किसी भी प्रकार के सार्वजनिक एवं निजी जल स्त्रोतों का बिना सूचना दिए सार्वजनिक हित में अधिग्रहित किया जा सकेगा। इसी तरह जल स्त्रोंतो का उपयोग सार्वजनिक हित में दैनिक जीवन के कार्यो एवं पेयजल के अतिरिक्त उपयोग नही किया जा सकेगा। जल स्त्रोंतो का उपयोग किसी सिंचाई कार्यों हेतु नही किया जावेगा। किए जाने पर संबंधित पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जावेगा।जल संकट की स्थिति में समस्त प्रकार के निर्माण कार्यो के लिए जल स्त्रोंतो का उपयोग बिना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जिला सिवनी की अनुमति के बिना किये जाने पर आगामी 15 दिवस तक प्रतिबंध लगाया गया हैं।

बलविंदर सिंह बने सिख समाज के अध्यक्ष

शहडोल। बैसाखी पर्व पर रविवार को सिख संगत ने सर्व सहमति से सिख समाज के अध्यक्ष पद पर सरदार बलविंदर सिंह भोगल को चुना गया। अध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति होने पर सिख समाज के सभी सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाइयाँ प्रेषित की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विधायक ने की 7 ग्राम पंचायतो को विधायक निधि ने सौपे पानी के टैंकर

आष्टा । जल ही जीवन है इसे व्यर्थ ना बहाये,जितने पानी की आवश्यकता हो उतना ही पानी का उपयोग करे,व्यर्थ में पानी को बर्बाद ना होने दे,क्योकि आज बूंद बूंद पानी का महत्व है। गर्मी की दस्तक शुरू हो गई है,ग्रामीण क्षेत्रो में जमीनी जल स्तर धीरे धीरे नीचे उतरता जा रहा है । आने वाले दिनों में गर्मी का पारा ओर बढेगा ऐसे में किसी को पानी की समस्या का सामना ना करना पड़ा उसको ध्यान में रखते हुए मप्र सरकार द्वारा शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर ने जागरूकता का परिचय देते हुए विधायक निधि से आष्टा क्षेत्र की 7 पंचायतो को पानी के टैंकर उपलब्ध कराए है । आज विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर ने एक सादे कार्यक्रम में विधायक कार्यालय पर आष्टा विधानसभा क्षेत्र की 7 ग्राम पंचायत मुंदीखेड़ी, जगमालपुर, गवाखे?ा, मुगली, हर्राजखे?ी, गोपालपुर, हुसैनपुर खेड़ी को पेयजल टैंकर प्रदान किये गये । विधायक ने सभी टैंकरों को हरी झंडी दिखा कर पंचायतो के लिये रवाना किया । इस अवसर पर विधायक श्री गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा की इन टैंकरों के माध्यम से ग्रामवासियों को सुलभता से गमी में जल मिल सकेगा एवं गर्मी के मौसम में आने वाली पानी की समस्या भी दूर होगी।

एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी-मंत्री पटेल

सतना । स्थानीय टाउन हाल में आयोजित एक राष्ट्र-एक चुनाव से संबंधित जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि लोक कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की गति को अनवरत बनाये रखने एक राष्ट्र-एक चुनाव देश हित में है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव से समय एवं धन की बचत होगी। देश में बार-बार चुनाव कराने से लोगों में बैमनस्यता तथा झगडे बढ़ते हैं। देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में चुनाव महत्वपूर्ण है। देश विकास और विचार के साथ चलता है। देश में बार-बार चुनाव कराया जाना देश हित में नहीं है। भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सभी समाज के व्यक्ति आगे आये। मंत्री पटेल ने देश की आजादी के बाद हुए पहले चुनाव से लेकर अब तक चुनावों के बीच निर्वाचन में हुए सुधार एवं कमियों को दूर करने में किये गये कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह ने कहा कि भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बडा लोकतंत्र है। देश में करीब 140 करोड जनसंख्या है। एक राष्ट्र-एक चुनाव में सभी अपनी सहमति दे जिससे फिजुल खर्ची कम होगी और देश के विकास में गति आयेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि पंचायती चुनावों में 4 प्रकार से मतदान किया जाता है। इसी प्रकार एक राष्ट्र-एक चुनाव में भी मतदान किया जा सकता है। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, संयोजक डॉ. कृष्ण द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आभार प्रदर्शन नगर निगम अध्यक्ष लालन चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंकज सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्र77म के पूर्व अतिथियों द्वारा भारत माता एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का साफा पहनाकर एवं अजगर माला से स्वागत किया गया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, ऊषा चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, मनसुख पटेल, संयोजक श्री चन्द्र द्विवेदी सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

प्रसूता और नवजात की मौत के मामले में पीड़ित ने एसपी और कलेक्टर से लगाई गुहार

*** बोला- राज नर्सिंग होम एवं हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल के सीसी टीवी फुटेज, काल डिटेल ओर नवजात के फोटो लोकेशन की जांच की जाय**

सिरोंज। प्रसूता और नवजात की मौत के मामले में राज नर्सिंग होम एवं हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल नगर में चर्चा का विषय बन गया है। इन अस्पतालों करतूत से पीड़ित प्रकाश चन्द्र पटेल ने एसपी ओर कलेक्टर को आवेदन दे कर कथित निजी अस्पताल संचालक शाहिद मोहम्मद एवं उसकी पत्नी शाहिदा सिद्दीकी पर तथ्यों की जांच कर दोनों पर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की गुहार लगाई है। मंगल वार को अपनी तीन बेटियों के साथ विदिशा पहुंच कर प्रकाश चंद्र पटेल ने एसपी रोहित केसवानी को अपनी व्यथा बताई। प्रकाश ने उन्हें बताया राज नर्सिंग होम की महिला चिकित्सक शाहिदा सिद्दीकी ने 13 मार्च 25 को मेरी पत्नी प्रसूता कल्पना कुशवाह की जांच की। मुझे बताया प्रसव सामान्य होगा। उसी समय शाहिदा सिद्दीकी ओर उनके पति शाहिद मोहम्मद ने हमे भरोसा दिला कर कहा सुरक्षित तरीके से हम यहीं प्रसव कर देंगे। इसके बाद प्रसव पीड़ा होने पर मैंने 15- 16 मार्च की रात की प्रसूता को लेजाकर राज नर्सिंग होम में भर्ती कर दिया। ढाई से तीन घंटे उन्होंने कल्पना को भर्ती रखा। फिर कहने लगे यहां प्रसव नहीं हो रहा। प्रसूता को हमारे छतरी स्थित हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल ले चलो। हमने प्रसूता को वहां लेजाकर भर्ती कर दिया। हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल संचालक शाहिद मोहम्मद ओर उसकी पत्नी शाहिदा सिद्दीकी ने हमे बताया बच्चे की गर्भ में मृत्यु हो गई है। यहां उन्होंने जच्चा की भी जान को खतरा बता कर ऑपरेशन के नाम पर मनमाने गलत तरीका से चीड़ फाड़ करके बच्चा निकल दिया। जो मृत निकला। ऑपरेशन चीड़ फाड़ से बड़ी मात्रा में बिलीडिंग होने पर प्रसूता को डेढ़ बाटल खून चढ़ा कर भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती करने भेज दिया। जहां 24 मार्च 25 को प्रसूता की मौत हो गई। मेरे बच्चे और पत्नी की मौत शाहिद मोहम्मद ओर उसकी पत्नी शाहिदा सिद्दीकी की घोर लापरवाही उनके ऑपरेशन के नाम पर मनमानी चीड़ फाड़ करने की वजह से हुई है। अब विभागीय जांच में शाहिद मोहम्मद प्रसूता का हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल में ऑपरेशन करने से ही मुकर रहा है। पीड़ित प्रकाश चंद्र पटेल ने घटना की रात के टोरी मोहल्ला स्थित राज नर्सिंग होम अस्पताल एवं छतरी नाका स्थित हेल्थ एंड केयर मल्टी हॉस्पिटल के सीसी टीवी फुटेज, ऑपरेशन के बाद परिजनो द्वारा अस्पताल में लिया गया फोटो लोकेशन इस घटना से जुड़े अस्पताल के स्टाफ एवं प्रकाश के परिजन के कॉल डिटेल की उच्च स्तरीय जांच कर कृत्य करने वाले अस्पताल संचालक शाहिद मोहम्मद उसकी पत्नी शाहिदा सिद्दीकी व स्टाफ पर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

गेहूं खरीदी केंद्र बनवार में तोला गया अमानक गेहूं और गेहूं खरीदी केंद्र रोड में रखी गई बगैर टैग लगी बोरी

दमोह प्रदेश सरकार किसानों के गेहूं उपार्जन खरीदी को लेकर एक ओर जहां प्रतिबद्ध हे वही आए दिन उपार्जन केंद्रों पर खरीदी प्रभारियों की मनमानी को लेकर शिकवा शिकायत होती रहती हैं। अक्सर देखने में आता हे कि उपार्जन केंद्रों में सरकारी नियमों के विपरीत खरीदी केंद्र प्रभारी किसानों से अधिक माल की तुलाई ली जाती हैं। और सरकारी नियम को ठेंगा दिखाते हुए अधिक गेहूं का तौल लिया जाता हैं। इस स्थिति में भोला भाला किसान आखिर कहां जाए और अपनी बात किससे कहे और किसके सामने आपनी समस्या सुनाए यही कारण हे की सरकारी नियम के विपरीत अधिक गेहूं की तौल देने को मजबूर हो जाता है. लेकिन दमोह जिले के अंतर्गत जो गेहूं की खरीदी हो रही है वह जदातर वेयर हाउस के अंदर की जा रही है लेकिन जो गेहूं की खरीदी हो रही है उसमें एफ ए क्यू का ध्यान न रखकर केंद्र प्रभारी नियमों को तक पर रखकर गेहूं की खरीदी कर रहे हैं और पुराना गेहूं हो यह फिर गेहूं में ज्यादा मात्रा में जबा मिला यह सभी केंद्रो पर खरीदा जा रहा है और जब गेहूं की खरीदी हो जाती है समिति के बगैर टैग लगाकर बोरियों में सिलाई की जा रही है और इसका बाकायदा परिवहन भी हो रहा है और वेयरहाउस में स्टेग भी लगा कर रखा जा रहा है अब आप ही बताए साहब की जो गेहूं की खरीदी हो रही है उसमें समीति का टैग नहीं लगाया जाएेगा तो कैसे पता करेंगे कि यह किस समिति का गेहूं है और आप कैसे कार्रवाई करेंगे क्योंकि इसका तो परिवहन हो जाएगा और आपको पता ही नहीं चलेगा क्योंकि जो माल का परिवहन हो रहा है और जहां रखा जा रहा है उस जगह पर तो विभिन्न समितियां का माल एक साथ रखा जाता है आप कैसे तय करेंगे कि यह किस समिति का माल है और किस समिति ने यह माल खरीदा है यही सबसे बड़ा प्रश्न है क्योंकि जबेरा तहसील के बनवार केंद्र में जो खरीदी गया है उसमें बड़ी मात्रा में जवाब एवं पुराना गेहूं खरीदा गया है और गेहूं में रेसे निकलने लगे हैं जब ऐसा खरीदा जाएगा तो सुबह व्यक्ति बात है कि वह जल्द ही खराब हो जाएगा और दूसरी ओर मां वेयरहाउस में जो रोड समिति खरीदी कर रही है वह वेयरहाउस अंदर कर रही है और मालवाहक वाहन से जो गेहूं आया था उन बोरे को सीधा उतार कर तोल कांटे पर रखा जा रहा है और सिलाई की जा रही थी जब वहां पर समिति प्रभारी के बारे में पूछा तो उन लोगों के द्वारा कहा गया कि यहीं कहीं होंगे जब वहां पर देखा तो कोई भी नहीं देखा सिर्फ पल्लेदार ही नजर आए अब देखना यह होगा कि इस खबर के बाद अधिकारी क्या एक्शन लेते हैं।

जलापूर्ति समस्या के निराकरण के लिए विभिन्न आयामों में कार्यवाही जारी

सिवनी। कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन ने बुधवार 16 अप्रैल को जल संसाधन विभाग, नगरपालिका, पीएचई, जल निगम, एमपीईबी सहित अन्य संबंधित विभागों की बैठक लेकर सिवनी नगरीय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों की जलापूर्ति समस?या के निराकरण पर चर्चा की। बैठक में जल समस?या के त?वरित निराकरण के लिए विभिन्न आयामों में कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिये गये हैं। बैठक में लिए गये निर्णय अनुसार 19 अप्रैल को छिंदवाडा जिले के माचागोरा बांध से भीमगढ़ बांध के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा पानी छोड़ा जायेगा। जिसे डेम तक पहुंचने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। तब-तक जल निगम द्वारा संचालित बंडोल समूह नलजल परियोजना से नगरपालिका की सप्लाई को जोड़कर सिवनी नगरीय क्षेत्र में जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। जिससे एक दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में एवं दूसरे दिवस नगरीय क्षेत्र की जलापूर्ति की जायेगी। इसी परिपेक्ष्य में जिला मुख्यालय के बबरिया तालाब से भी नगरपालिका सिवनी द्वारा पंप के माध्यम से पानी लेकर जलापूर्ति की व्यवस्था की जा रही है।

कलेक्टर सुश्री जैन ने माचागोरा बांध से भीमगढ़ बांध तक आने वाले नहर से सिंचाई एवं अन्य प्रयोजन के लिए पानी लेने को प्रतिबंधित करने के भी आदेश दिये हैं। उन्होंने एमपीईबी को तात्कालीन समय में कृषि फीडर को बंद करने के लिए निर्देशित किया है ताकि बिना व्यवधान के माचागोरा बांध से भीमगढ़ बांध तक पानी पहुंचाया जा सके। अनाधिकृत रूप से पानी लेने वाले व?यक्तियों पर दंडात?मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं।

कलेक्टर सुश्री जैन ने नगरपालिका के अधिकारियों को वॉटर टेंकर द्वारा की जा रही जलापूर्ति की व्यवस्थित मॉनिटरिंग करते हुए नगरीय क्षेत्र में सतत रूप से जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

ईडी के दुरुपयोग के खिलाफ जिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का लगाया आरोप राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार 16 अप्रैल को कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गांधी राजीव गांधी एवं अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के विरोध में कलेक्ट्रेट के सामने जोरदार प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे के नेतृत्व में सैकड़ो कांग्रेस जनों ने जमकर नारेबाजी कर कार्यवाही वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं को बदले की द्वेषपूर्ण भावना से निशाना बनाने और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड प्रकरण में ईडी द्वारा हाल ही में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। पूर्व में इसकी जांच हो कर 2016 में यह प्रकरण बंद हो चुका था। ज्ञापन में कहा गया कि यह कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। यह केंद्र की भाजपा सरकार की संकीर्ण राजनीतिक मानसिकता को दर्शाती है। गांधी-नेहरू परिवार ने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। एवं अपनी करोड़ो रुपयो की सम्पत्ति देश के नाम कर दी लेकिन उन्हें बार-बार अपमानित करने के प्रयास किए जा रहे है। जिला अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने कहा कि वर्ष 2014 से केंद्र की भाजपा सरकार लगातार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं को ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स जैसी सरकारी एजेंसियों के जरिए निशाना बना रही है। यह लोकतंत्र के मूल्यों पर सीधा हमला है। और इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से निवेदन किया गया कि वे भारत के संविधान के संरक्षक होने के नाते इस प्रकरण का संज्ञान लें और केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगें कि बिना किसी मूल शिकायत के वर्षों पुराने मामले को दोबारा खोलकर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को क्यों प्रताड़ित किया जा रहा है। पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने मांग की है। कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में लोकतंत्र को कुचलने की साजिश को रोका जाए। और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए त्वरित हस्तक्षेप किया जाए। साथ ही यह भी मांग की गई। कि इन कार्रवाइयों की निष्पक्ष और स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए ताकि देश की जनता के बीच एजेंसियों की निष्पक्षता और लोकतंत्र की साख बनी रह सके। पूर्व विधायक निलय डागा ने कहा कि यह प्रदर्शन और ज्ञापन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रदेश भर की कांग्रेस इकाइयों द्वारा सौंपा जा रहा है। जिससे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक जनता, जनप्रतिनिधियों की असहमति दर्ज हो सके।

इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे , रामू टेकाम, समीर खान नवनीत मालवीय, मनोज मालवे प्रवक्ता हेमंत पगारिया ,नितिन गाडरे, सोनू पाल, मोनू बडोनिया, किशोर चौहान, रानू ठाकुर, नेकराम यादव चुन्नीलाल यादव विजय आर्य ,अनुराग मिश्रा, मोनिका नीरपुरे, रमेश काकोडिया, रमेश गायकवाड़, नितिन देशमुख, धीरू शर्मा, नब्बू खान, जैद खान, आबिद खान,आदि सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

ड्यूटी या एंटरटेनमेंट- भोजपुरी गानों पर एमपी की महिला पुलिसकर्मियों ने खूब किया डांस, एसपी ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में महिला पुलिसकर्मियों का ड्यूटी के दौरान भोजपुरी गानों पर रील बनाने का वीडियो वायरल हुआ, जिससे सोशल मीडिया पर विवाद पैदा हो गया। इसके बाद, महिला पुलिसकर्मी ने आलोचनाओं के बीच अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया।

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में ड्यूटी के दौरान महिला पुलिसकर्मियों का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वे भोजपुरी गानों पर रील बनाते हुए नजर आ रही हैं। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ, लोगों ने इस पर मिश्रित प्रतिक्रिया दी, जिससे एक विवाद की स्थिति बन गई। यह वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट 'संध्या वर्मा 790' से अपलोड किया गया था, जिसके बाद यूज़र्स ने तीखी टिप्पणियां करना शुरू कर दीं। सोशल मीडिया पर बढ़ती आलोचना के बाद, महिला पुलिसकर्मी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट हटा लिया।

एसपी ने दिए जांच करने के आदेश

रीवा के एसपी विवेक सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच के दौरान कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में महिला प्रधान आरक्षक और सगरा थाना प्रभारी का नाम सामने आया है, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

ऐसी गतिविधियों से कानून व्यवस्था पर खतरा

इस मामले पर रीवा की अधिवक्ता बीके माला ने कहा कि शहर में अपराध और नशे का कारोबार बढ़ रहा है, जबकि पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया पर रील बनाने में व्यस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने की होड़ में लोग नियमों और कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं, विशेष रूप से पुलिस जैसे संवेदनशील विभाग में, जिसे कानून व्यवस्था बनाए रखने का जिम्मा सौंपा गया है। ऐसी गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। यह कानून व्यवस्था के लिए भी खतरा साबित हो सकती है।

प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा आज मुरैना आयेंगे

मुरैना। प्रदेश के राजस्व मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा दो दिवसीय प्रवास पर 18 अप्रैल को मुरैना आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा 18 अप्रैल को सायं 5:40 बजे मालवा एक्सप्रेस से प्रस्थान कर रात्रि 11:25 बजे मुरैना आयेंगे और रात्रि विश्राम सर्किट हाउस मुरैना पर करेंगे। मंत्री श्री करण सिंह वर्मा 19 अप्रैल को दोपहर 1:30 बजे मुरैना से प्रस्थान कर बड़ागांव-नावली में सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर के पारिवारिक कार्यक्रम में 2 बजे सम्मिलित होंगे। प्रभारी मंत्री श्री वर्मा नावली बड़ागांव से अपरान्ह 3 बजे प्रस्थान कर 3:30 बजे सर्किट हाउस मुरैना आयेंगे।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश पुलिस के रवैये पर सर्वोच्च न्यायालय का सख्त रुख

उत्तर प्रदेश सरकार पिछले कुछ वर्षों से कानून का शासन स्थापित करने के दावे खूब बढ़-चढ़ कर करती रही है। मगर जमीन पर वे दावे खोखले ही निकलते रहे हैं! अपराध के खिलाफ उसकी कार्रवाई की वास्तविकता यह भी है कि नियम-कायदों के उल्लंघन की प्रकृति होती कुछ और है, लेकिन उसे कानूनी दस्तावेजों में किसी और रूप में दर्ज किया जाता है। ऐसे ही एक मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस के उस रवैये के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया, जिसमें दीवानी विवादों को फौजदारी मामलों में बदला जा रहा है। अदालत की पीठ ने इसे 'कानून के शासन का पूरी तरह पतन' करार देते हुए कहा कि यह प्रथा गलत है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। अदालत की यह टिप्पणी यह बताने के लिए काफी है कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आए दिन कानून का शासन लागू करने को लेकर जिस तरह के दावे किए जाते रहे हैं, उस पर वास्तव में अमल करने के मामले में पुलिस किस तरह मनमानी करती है और विवादों को कैसा रूप दिया जा रहा है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कानून-व्यवस्था के नाम पर की जाने वाली ऐसी मनमानी के बूते क्या किया जा रहा है और क्या दर्शाया जा रहा है। केवल पैसा न लौटाने को क्या ऐसे कानूनी दायरे में रखा जा सकता है, जिसे अपराध घोषित कर दिया जाए और उसी मुताबिक कानूनी कार्रवाई की जाए? अदालत ने इस पर तल्ख रुख अख्तियार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हर रोज दीवानी मामलों को फौजदारी के मामलों में बदला जा रहा है। यह बेतुका है, सिर्फ लंबा वक्त लगने की दलील देकर दीवानी मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर दी जाएगी और आपराधिक कानून लगा दिया जाएगा। सवाल है कि क्या इसी तरह का रवैया अपना कर राज्य सरकार अपराधों पर काबू पाने का दावा कर रही है। अगर खुद पुलिस महकमे और उसके अधिकारी नियमों को इस तरह ताक पर रख रहे हैं, तो आपराधिक मामलों में उनकी कार्रवाइयों को कितना विश्वसनीय माना जाएगा?

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि नहीं चेते तो अंजाम और भी बुरे होंगे!

-कमलेश पांडे

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि हमारा प्रशासन समय रहते ही नहीं चेता तो आने वाले दिनों में अंजाम और भी बुरे होंगे, इतिहास इसी बात की चुगली कर रहा है! यह नसीहत क्रूर वक्त हमें बार-बार दे रहा है, लेकिन हमलोग ऐसे घिसे पिटे आदर्शवादी हैं कि उसे समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं7 इसलिए आज मैं इतिहास की अंगड़ाई में सुलगते हुए वर्तमान के कुछ कटु सत्य को उद्घाटित कर रहा हूँ ताकि हमारे राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा टूटे और वो विधि-व्यवस्था के लिहाज से अपने मौलिक कर्तव्य न भूलें। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को क़ानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया और कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठू लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए। इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्प्रदायिक विभाजन तक की नौबत आई7 इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। लेकिन भारत के गाँधी-नेहरु जैसे अव्यवहारिक आदर्शवादी राजनेताओं ने आजाद भारत में हालत बदलने के उलट उन्हीं घिसे-पिटे कानूनों को भारतीयों पर थोप दिया, जो आज तक अशांति का सबब बन चुकी हैं। पहले कांग्रेसियों, फिर समाजवादियों और अब राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए। मसलन, बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। सबों ने उस 'निर्जीव भारतीय संविधान' का महिमा मंडन किया और कर रहे हैं जिसने पदासीन लोगों को वेतन-भत्ते-पेंशन और देशवासियों से लूट-खसोट की तो गारंटी दी, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए और न ही न्यायपालिका ने इस प्रशासनिक प्रवृति पर कभी सवाल उठाए। हद तो यह कि न्याय के नाम पर मामलों को वर्षों तक लटकाने वाली न्यायपालिका, नेताओं के इशारों पर उलटे-सीधे कार्य करने की अभ्यस्त हो चली कार्यपालिका और नेताओं-कारोबारियों की अघोषित सांठगांठ से जहाँ सत्ताधारी जमात मौज में रहता आया है, वहीं आम आदमी सुपोषण योग्य भोजन, अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, जन-सुरक्षा के लिए मोहताज है। एक ओर देश के अमनपसंद आमलोग जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सम्मान की प्राप्ति के लिए आरक्षण को अचूक हथियार समझ बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर 1947 में पाकिस्तान और 1972 में बंगलादेश लेने वालों के वंशज ब्रेक के बाद भारतीय भूभाग पर सांप्रदायिक तांडव मचा रहे हैं और नेताओं की नीतिगत लापरवाहियों से हमारा सिविल और पुलिस प्रशासन असहाय बना रहता है। हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। इनकी नापाक मंशा जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल जैसे हालत पूरे देश में पैदा करने की है, जिसकी झलक गाहे-बगाहे दिखाते रहते हैं। यदि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत तक के ब्रेक के बाद होने वाले सांप्रदायिक दंगों की बात छोड़ भी दी जाए तो अयोध्या रामजन्म भूमि आंदोलन, फिर सीएए और अब वक्फ कानून की आड़ में पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर या फिर चीन-अमेरिका-इंग्लैंड से शह प्राप्त अन्य मुस्लिम देशों के इशारे पर भारत में जो अशांति फैलाते हैं, इसका ताजातरीन उदाहरण पश्चिम बंगाल का मुर्शिदाबाद इलाका है, जो इन दिनों इस्लामिक उत्पात से जल रहा है। दरअसल वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हिंसा भड़क उठी है, उससे केंद्र सरकार ने अन्य राज्यों में भी ऐसी घटनाओं की आशंका जताई है। इसके दृष्टिगत वह लगातार सतर्कता बरत रही है। यह बात दीगर है कि अभी तक अन्य राज्यों से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। केंद्र सरकार के मुताबिक, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की अधिसूचना के मद्देनजर अभी तक अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी सांप्रदायिक स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्रालय कोई जोखिम नहीं उठा रहा है। केंद्र बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, जहां वक्फ कानून विरोधी प्रदर्शनों की खबरें आई हैं। इसका उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी कारक की पहचान करना और संबंधित राज्य सरकारों से संपर्क करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें शुरू में ही समाप्त कर दिया जाए।

जीवन धाराः मुस्कुराहट ऊपरी न हो, भीतर से आए, करुणा रखना अहम सूत्र

-श्री श्री रविशंकर

समुद्र के किनारे कुछ लोग शाम को ऐसे ही टहलने के लिए जाते हैं। वे सिर्फ टहलने भर से खुश होते हैं। ताजी हवा मिल जाती है। कुछ लोग अपने जूते वगैरह उतारकर ठंडे पानी में पैर रखते हैं और उसी से खुश हो जाते हैं। किंतु कुछ लोग इससे भी तृप्त नहीं होते और पानी में तैरने के लिए जाते हैं, नहाने के लिए जाते हैं। कुछ लोग समुद्र की गहराई में डुबकी लगाकर उसमें से कुछ रत्न, मूंगा, मोती निकालने जाते हैं, तो कुछ लोग मछलियां पकड़ने के लिए जाते हैं। और कुछ लोग उसके पानी से नमक बनाकर खुश होते हैं, तो कुछ समुद्र से तेल निकालते हैं।

समुद्र एक ही है, किंतु अलग-अलग व्यक्ति अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से जो कुछ उन्हें चाहिए, उसमें से निकाल लेते हैं। ऐसा ही है न? सागर किसी को मजबूर नहीं करता। वह किसी से यह नहीं कहता, 'अरे भाई, तुम सिर्फ नमक क्यों निकाल रहे हो, मछली ले लो।' और जो मछलियां पकड़ने के लिए जाते हैं, उनसे यह नहीं कहता, 'भाई, यहां तेल पड़ा है, तेल ले जाओ।' और जो तेल के लिए सागर के पास जाते हैं, उनसे नहीं कहता, 'अरे, गहराई में डुबकी लगाओ, वहां मोती है, मूंगा है, वह सब निकालो।'

जिसे जो चाहिए, वह उसमें से स्वयं ले लेता है। ज्ञान का भी ऐसा ही सागर है, इसमें हम जितनी गहराई में उतरते हैं, उतने ही हम सुखी होते हैं। तो आप स्वयं से पूछो, आपको क्या चाहिए? आप प्रश्न पूछो और निकाल लो जवाब। मुझसे पूछा गया कि सफल जीवन किसे कहते हैं? हम खुश हो सकें, दिल खोलकर बात कर सकें, प्रेम से रह सकें, हममें खुशी की चमक हो। मुस्कराहट ऊपर की न हो, भीतर से आए। ऊपर से?तो हम अक्सर मुस्कराते हैं, कोई शत्रु भी आ जाए, तो भी मुस्कराकर पूछते हैं, 'हां भाई, कैसे हो?' किंतु भीतर से बुरा-भला कहते हैं। यह तो ऊपर से नाटक करना हो गया। हममें एक आंतरिक मस्ती होनी चाहिए। हरदम मस्त रहना चाहिए।

वही सफल जीवन है, जिसमें हमारी हंसी ऐसी मजबूत हो कि कोई भी हमसे उसे छीन न पाए। अक्सर छोटी-मोटी बातों से हमारी हंसी उड़ जाती है। ऐसा होता है न? मान लीजिए, आप बहुत खुश हैं और टेलीफोन पर किसी ने कुछ कठोर शब्द कह दिए। बस, झट से आपका माथा गर्म हो जाता है। यह आप सबका अनुभव है कि नहीं? जीवन में सफलता को तभी नाप सकते हैं, जब हमारी हंसी हर अवस्था में एक-सी बनी रहे। देखिए, आप जीवन-भर खुशी की तैयारी में लग जाते हैं।

मान लो, आप अस्सी साल के हैं, तो चालीस साल तो आपने सोकर निकाल दिए, बीस-पच्चीस साल काम करने में निकाल दिए, बाकी के पंद्रह-बीस साल नहाने-धोने में, खाने-पीने में, यात्रा में निकाल दिए। हां, बचपन के दो-तीन साल मस्ती से गुजारे। या साल में दो-चार दिन, जब कोई त्योहार आया, या कुछ और उत्सव हुआ, तो हंसी में समय बिताया। इसके सिवाय बाकी सब समय तो जीने की तैयारी में ही निकल गया।

मोदी का नया मंत्रः देरी विकास का दुश्मन

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। 'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है।

-अमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के

सावधान किसान! भूलकर न करें ये गलती, वरना खाली हो जाएगा बैंक खाता

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को केंद्र सरकार चलाती है। अगर आप भी एक पात्र किसान हैं तो आप इस योजना से जुड़कर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं जिसमें आपको सालाना 6 हजार रुपये मिलते हैं। इस पैसे को 2-2 हजार रुपये की तीन किस्तों में दिया जाता है। अब तक 19 किस्त जारी होने के बाद अब बारी 20वीं किस्त की है, लेकिन उससे पहले किसान ये जरूर जान लें कि आपकी एक छोटी सी गलती या भूल के कारण आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। जालसाज किसानों को ठगने के लिए कई तरीके अपना रहे हैं, इसलिए आप यहां जान सकते हैं कि आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप फ्रॉड से बच सकें। आप भी पीएम किसान योजना के लाभार्थी हैं तो ई-केवाईसी के नाम पर होने वाले फ्रॉड से बचकर रहें क्योंकि जालसाज किसानों को ठगने के लिए इसका सहारा ले रहे हैं। इसमें आपके पास कॉल आ सकता है जिसमें ऑनलाइन ई-केवाईसी करवाने के लिए कहा जाता है। साथ ही आपको डराया भी जा सकता है कि अगर आप अभी हमसे ई-केवाईसी नहीं करवाएंगे तो आपकी किस्त अटक सकती। ऐसे में आपको सबसे पहले तो डरना नहीं है और न ही ऐसी कॉल पर अपनी कोई भी गोपनीय जानकारी जैसे, बैंक खाते की डिटेल्स या योजना का रजिस्ट्रेशन नंबर, ओटीपी जैसी चीजें शेयर नहीं करनी चाहिए। जान लें कि ई-केवाईसी करवाने के सिर्फ तीन तरीके हैं जो आधिकारिक रूप से विभाग द्वारा बताए गए हैं।

इन तरीकों से करवाएं ई-केवाईसी

इसमें पहला तरीका है आप अपने नजदीकी सीएससी सेंटर जाकर ई-केवाईसी करवा सकते हैं जहां पर बायोमेट्रिक आधारित ई-केवाईसी की जाती है

दूसरा तरीका है आप योजना के आधिकारिक पोर्टल से ओटीपी आधारित ई-केवाईसी खुद कर सकते हैं

तीसरा तरीका है पीएम किसान योजना का एप, जहां से आप अपने फेस के जरिए ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

मोबाइल नंबर अपडेट करने के नाम पर भी हो सकती है ठगी

जालसाज किसानों को ठगने के लिए मोबाइल नंबर अपडेट करवाने की आड़ भी लेते हैं। इसमें आपको कहा जाता है कि मोबाइल नंबर तुरंत अपडेट करवाएं, वरना आपको योजना से जुड़े अपडेट या किस्त की जानकारी नहीं मिल पाएगी। पर आपको ऐसे किसी कॉल, ईमेल या मैसेज पर विश्वास नहीं करना है। आप खुद मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं इसके लिए किसान एप पर जाएं या फिर योजना की आधिकारिक वेबसाइट pmkisan.gov.in पर जाएं और 'Update Mobile Number' पर क्लिक करके आप ये काम कर सकते हैं।

शादी होने के बाद भी कई लोग ऐसे हैं जिनका मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन सकता?

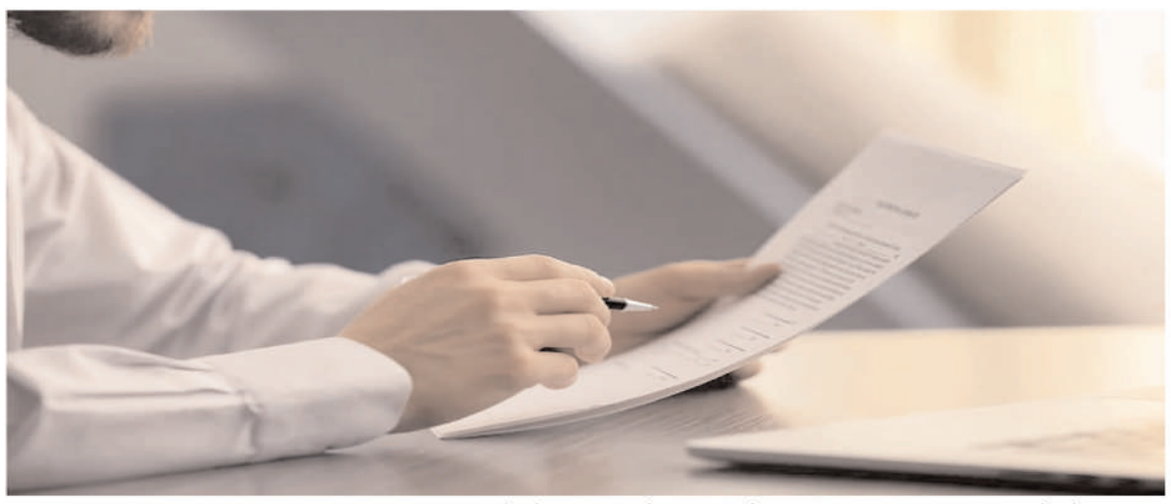

शादी किसी भी धर्म की हो उसे हमेशा पवित्र ही माना जाता है। दो लोग एक साथ आकर जिंदगी भर साथ रहने का फैसला करते हैं और अपने परिवार को आगे बढ़ाते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि शादी दो लोगों में नहीं बल्कि, दो परिवारों में होती है।

यही नहीं, लोग अपनी शादी को रजिस्टर्ड भी करवाते हैं और ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि कानूनी रूप से शादी रजिस्टर हो सके और कई जगहों पर मैरिज सर्टिफिकेट की जरूरत हो तो इसे दिखाया जा सके। पर इन सबके बीच क्या आप जानते हैं कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनका मैरेज सर्टिफिकेट नहीं बन सकता? शायद नहीं, तो आप यहां इस बारे में जान सकते हैं। मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने के लिए उम्र का नियम है और जो इस तय उम्र से छोटा है उसका मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन सकता। नियमों के मुताबिक, अगर लड़के की उम्र 21 साल से कम है और लड़की की उम्र 18 साल से कम है तो ऐसे कपल का मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन सकता। अगर आपका किसी से खून का रिश्ता है और ऐसे रिश्तों में शादी हो जाती है तो हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के तहत ऐसी शादी कानूनी तौर पर मान्य नहीं होती है, क्योंकि इसके मुताबिक नजदीकी रिश्तेदारों में शादी प्रतिबंधित है। अगर कोई ऐसा कपल है तो उसका मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बनाया जा सकता। कोई ऐसा व्यक्ति जिसकी पहले शादी हो रखी है और वो बिना तलाक लिए फिर से दूसरी शाद रचा लेता है, तो ऐसे कपल का भी मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन सकता। हिंदू मैरिज एक्ट में ऐसा नियम है। हालांकि, मुस्लिम पर्सनल लॉ में ऐसा कोई नियम नहीं है।

भारतीय कानून के मुताबिक, जिसे शादी करनी है उसके दोनों पक्षों की सहमित होना जरूरी है। इसलिए अगर कोई व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है और शादी के लिए सहमति नहीं दे सकता, तो ऐसे कपल का मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन जाएगा अगर शादी के कोई दस्तावेज मौजूद नहीं हैं तो भी मैरिज सर्टिफिकेट नहीं बन पाता है।

दुबई जाने के लिए वीजा के लिए ऐसे करे सप्लाई

भारतीयों के लिए दुबई जाने का उत्साह अलग ही होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में भारत से कुल एक करोड़ 19 लाख पर्यटक दुबई गए। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक दुबई की यात्रा घूमने या काम के लिए करते हैं। हालांकि जो पहली बार दुबई जाना चाहते हैं, उनके लिए इस विदेशी गंतव्य तक पहुंचने को लेकर कई सवाल होते हैं, जैसे भारत से दुबई कैसे जा सकते हैं? दुबई का वीजा कैसे और कितने दिन में मिल जाता है?
दुबई का वीजा कितने रुपये में बनता है और दुबई जाने का किराया कितना है?

कहां है दुबई

दुबई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का एक आलीशान शहर है जो कि अरब रेगिस्तान के बीच में बसा है। यहां दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा स्थित है। अगर आप इस शानदार शहर की यात्रा करना चाहते हैं तो इस लेख में दुबई जाने से जुड़ी हर जरूरी जानकारी दी जा रही है।

दुबई कैसे जाएं

भारत से दुबई की दूरी लगभग 2500 किमी है। हवाई मार्ग से दुबई पहुंचा जा सकता है। दुबई का इंटरनेशनल एयरपोर्ट बहुत बड़ा और यूएई का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट माना जाता है। कई भारतीय शहरों, जैसे दिल्ली, बैंगलोर, मुंबई,चेन्नई, हैदराबाद से दुबई के लिए सीधी उड़ान मिल सकती है।

दुबई का वीजा कैसे मिलता है?

भारतीय पासपोर्ट धारक हर यात्री को दुबई आने के लिए यूएई वीजा की जरूरत होती है। कई तरह के वीजा होते हैं, जैसे टूरिस्ट वीजा, विजिट वीजा, ट्रांजिट वीजा आदि। यात्रा के उद्देश्य और प्रवास की अवधि के आधार पर वीजा का चयन कर सकते हैं। अगर आप दुबई घूमने के उद्देश्य से जा रहे हैं तो पर्यटक वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। ठहरने की अवधि के मुताबिक दुबई ई वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। दुबई टूरिस्ट वीजा आमतौर पर सिंगल-एंट्री या मल्टीपल-एंट्री के रूप में उपलब्ध होता है, जो 30 दिन, 60 दिन या 90 दिन का हो सकता है।

दुबई का वीजा कितने रुपये में बनता है?

30 दिनों का सिंगल एंट्री वीजा लगभग 6,300 रुपये और मल्टीपल एंट्री वीजा 11 हजार रुपये में मिल सकता है। वहीं 60 दिनों का सिंगल एंट्री वीजा लगभग 10500 रुपये और मल्टीपल एंट्री के लिए 15800 रुपये लग सकते हैं।

बच्चों के लिए दुबई का वीजा

अगर आप परिवार के साथ दुबई घूमने के लिए जा रहे हैं तो 18 साल से कम आयु के आवेदक यानी नाबालिग निशुल्क दुबई पर्यटन वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि बच्चे के साथ वैध पर्यटक वीजा वाला वयस्क जरूर होना चाहिए।

वीजा मिलने में कितना वक्त लगता है?

ऑनलाइन वीजा अप्लाई करने के लिए दुबई वीजा वेबसाइट पर जाकर एक फार्म को भरता होता है। आमतौर पर, वीजा दो से चार कार्य दिवस मिल जाता है। जो लोग तत्काल यात्रा करना चाहते हैं वे एक्सप्रेस वीजा का विकल्प चुन सकते हैं,जिसमें 24 घंटे के भीतर आपका वीजा लग जाएगा। इसके अलावा दो से तीन घंटे में तत्काल वीजा प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि आपको ध्यान रखना होगा कि कौन सा वीजा आपको चाहिए।

दुबई वीजा के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट

दुबई जाने के लिए ई वीजा अप्लाई कर रहे हैं तो कुछ जरूरी दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ेगी। इसमें
कम से कम 6 महीने की पासपोर्ट की वैलिडिटी होनी चाहिए।
व्हाइट बैकग्राउंड के साथ पासपोर्ट साइज फोटो
यात्रा के लिए दोनों तरफ का फ्लाइट टिकट
होटल बुकिंग का प्रमाण
पते का प्रमाण (पैन कार्ड की फोटोकॉपी)
यात्रा के बारे में विवरण

भारत से दुबई के लिए फ्लाइट का किराया

कई एयरलाइंस भारत के विभिन्न महानगरों से दुबई की सीधी उड़ान संचालित करती हैं। भारत से दुबई तक फ्लाइट का किराया लगभग 25000 रुपये हो सकता है।

दुबई जाने का खर्चा कितना है?

भारत से दुबई यात्रा का पूरा खर्च लगभग 50000 रुपये या उससे अधिक हो सकता है। इसमें राउंड ट्रिप की फ्लाइट टिकट पर कम से कम 25000 रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं। 6000 से 7000 रुपये टूरिस्ट वीजा, और 1000 रुपये ट्रेवल इंश्योरेंस पर लग सकते हैं। इसके अलावा दुबई में घूमने-फिरने और ठहरने आदि को मिलाकर 20 हजार रुपये खर्च हो सकते हैं।

छह गुण जो साबित करते हैं कि आपका रिश्ता है सबसे बेस्ट

किसी रिश्ते में होना काफी नहीं होता, बल्कि एक अच्छा रिश्ता बनाना जरूरी होता है। एक स्वस्थ रिश्ता केवल प्यार और स्नेह तक सीमित न होकर उन छोटी-छोटी चीजों पर निर्भर करता है जो आपकी साझेदारी को मजबूत और टिकाऊ बनाती हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि उनका रोमांटिक रिलेशनशिप स्वस्थ है या नहीं। हर किसी का रिश्ता एक जैसा नहीं हो सकता है। रिश्ते में सभी की जरूरतें, पसंद और साझेदारी अलग-अलग हो सकती है। किसी रिश्ते को क्या कामयाब बनाता है, यह उस में शामिल लोगों की जरूरतों और उनकी भावनाओं पर निर्भर करता है। अक्सर कुछ सुनहरे संकेत होते हैं जो बताते हैं कि आप एक स्वस्थ रिश्ते में हैं।

स्वस्थ रिश्ते में लोग अपने साथी की परवाह करते हैं और एक दूसरे का सम्मान करते हैं। कपल एक दूसरे को उसी रूप में महत्व देते हैं जैसा वह खुद के लिए चाहते हैं। आपके रिश्ते में कितना सम्मान है, ये जानने के लिए खुद से सवाल करें, क्या मैं और मेरा साथी एक-दूसरे का सम्मान उसी रूप में करते हैं, जैसे हम हैं या उस रूप में जैसा हम एक दूसरे को देखना चाहते हैं?

क्या हम एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं? क्या हम लड़ाई-झगड़े के समय भी एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाते हैं? अगर आपको लगता है कि आपके रिश्ते में सम्मान की कमी है, तो हो सकता है कि यह उतना

स्वस्थ न हो, जितना होना चाहिए। आप संवाद करके और ज़रूरत पड़ने पर मदद के लिए आगे आकर अपने रिश्ते के इस पहलू को बेहतर बना सकते हैं।

कमिटमेंट कमिटमेंट या प्रतिबद्धता कुछ स्वस्थ रिश्तों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। जब लोग एक दूसरे के साथ सात वचनों के बंधन में बंध जाते हैं तो उन्हें ये निश्चय कर लेना चाहिए कि वह अच्छे और बुरे दोनों समय पर साथ रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपके बीच का कमिटमेंट रिश्ते में मजबूती और भरोसा बढ़ता है। खुद से पूछें,क्या आपके रिश्ते में किसी तरह की बेवफाई हुई है? क्या आप अपने रिश्ते को सबसे अधिक महत्व देते हैं? क्या आप दोनों एक दूसरे की भावनाओं, रुचि और पसंद को प्राथमिकता देते हैं? क्या आप अपने रिश्ते को हर सूरत में खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं?
अगर जवाब हां तो आपके रिश्ते को लेकर आप दोनों ही प्रयास कर रहे हैं और यह खुशहाल है। आपके बीच भरोसा है और आपका रिश्ता सबसे मजबूत है। लड़ाई-झगड़े हर रिश्ते में होते हैं लेकिन अगर वह स्वस्थ तरीके से हों यानी जब विवाद की स्थिति हो तो भी आपके बीच सम्मान और प्यार बना हुआ है तो रिश्ता मजबूत होता है। हालांकि अस्वस्थ रिश्ते में झगड़े के दौरान पार्टनर का बर्ताव बदल जाता है, वह आपको आपके नाम से, तू-तड़ाक करके, कठोर शब्दों या हिंसा के जरिए हर्ट करने लगता है। गुस्से में भी अगर साथी को आपकी परवाह हो तो रिश्ता स्वस्थ और खुशहाल माना जाता है। खुद से पूछें।

भरोसा

किसी भी स्वस्थ रिश्ते के लिए भरोसा सबसे अहम होता है। रिश्ते में आपको अपने साथी की वफादारी या सच्चाई पर संदेह नहीं करना चाहिए। वैसे तो कपल एक दूसरे के साथ अधिकतर वक्त बिताते हैं लेकिन जीवन के कुछ हिस्से ऐसे होते हैं जब आप एक दूसरे से अलग होते हैं। इनमें अक्सर काम, शौक और दोस्ती शामिल होती है। जब रिश्ते में रहने वाले लोग एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं तो उनके लिए ईर्ष्या या संदेह महसूस करने की संभावना कम होती है जब उनका साथी उनसे दूर समय बिताता है। सवाल करें,
क्या आप अपने साथी पर भरोसा करते हैं? क्या वे आप पर भरोसा करते हैं?
अगर आपको कभी अपने रिश्ते में झूठ बोलने की इच्छा होती है, तो ऐसा क्यों होता है? जब आपका साथी आपके बिना कुछ करता है तो क्या आपको जलन या चिंता होती है? हैप्पी और हेल्दी रिलेशनशिप वाले लोग ईर्ष्या या संदेह से परे एक साथ या अलग-अलग समय बिता सकते हैं।

दोस्ती

अगर आप एक स्वस्थ रिश्ते में हैं तो शायद अपने साथी को अपने सबसे करीबी दोस्तों में से एक मानते हैं। हो सकता है कि आप दोनों में भी ऐसा ही सेंस ऑफ ह्यूमर हो और घर के कामों को निपटाने व घर की सफाई करने जैसे साधारण कामों में साथ समय बिताना आपको अच्छा लगता हो। आपका रिश्ता सिर्फ शारीरिक अंतरंगता के इर्द-गिर्द ही नहीं घूमता, बल्कि यह एक करीबी रिश्ते पर आधारित होता है। खुद से पूछें, क्या आप अपने साथी के साथ समय बिताना पसंद करते हैं?
क्या आप एक-दूसरे के जीवन का अहम हिस्सा हैं? क्या आप अपनी व्यस्तता के बावजूद पार्टनर के साथ में मौज-मस्ती करते हैं?

कर्मचारी चयन बोर्ड का परीक्षा केन्द्र छिंदवाड़ा में नहीं

बालाघाट में है सांसद प्रयास करें तो खुल सकता है

छिंदवाड़ा। कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी)भोपाल का परीक्षा केन्द्र छिंदवाड़ा में नहीं होने से बाहर के जिलों में परीक्षा देने परीक्षार्थी जाते हैं। छिंदवाड़ा से छोटा जिला बालाघाट है वहां परीक्षा केन्द्र का सेंटर है किन्तु छिंदवाड़ा में नहीं है। पी.जी.कॉलेज एवं गर्ल्स कॉलेज दो बड़े सेंटर हैं जहां परीक्षा केन्द्र बनाये जा सकते हैं। कर्मचारी चयन बोर्ड परीक्षा केन्द्र कमलनाथ की सरकार के समय पर भी नहीं था, जिसके लिए कई बार मांगे की गई किन्तु सरकार ने सेंटर नहीं बनाया। भाजपा के सांसद बंटी विवेक साहू हैं उन्हें प्रयास करना चाहिए जिससे परीक्षार्थियों को बाहर न जाना पड़े। परीक्षार्थी के केन्द्र का नाम 7 दिन के अंदर बताये जाने से ट्रेनों में रिजर्वेशन नहीं मिलता। सांसद मुख्यमंत्री से मिलें तो छिंदवाड़ा में सेंटर खुल सकता है।

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती का होगा आगमन

छिन्दवाड़ा। द्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज का तीन दिवसीय दिव्य एवं भव्य प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर लोकार्पण समारोह में आगमन होने जा रहा है। देवभूमि डेवलपर्स परिवार के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में परमपूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज मंदिर में भगवान शिव परिवार की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक तीन दिवसीय कार्यक्रम श्री नंदन हिल्स चौखड़ाढाना, हिन्दुस्तान यूनिलीवर के आगे नरसिंहपुर रोड में आयोजित होगा।

युवामोर्चा स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के तहत दिल्ली में करेगा प्रतिनिधित्व

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता युवामोर्चा जिला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने बताया की स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के तहत एक विशेष कार्यक्रम आगामी 23 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है जिसमे देशभर से छात्र संघ चुनाव लड़ चुके हर जिले से 2 युवाओ को आमंत्रित किया गया है उक्त कार्यक्रम में भाजयुमो जिला अध्यक्ष श्री राणा ने भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शेषराव यादव जी की सहमति से छिंदवाड़ा युवामोर्चा से अतुल सराठे व इंद्रजीत पटेल को युवा मोर्चा का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौपी है उक्त कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सहित विभिन्न नेताओं से युवा नेताओं का संवाद होगा व प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा नेताओ को उनके समक्ष वन नेशन वन इलेक्शन पर अपने जिले के युवाओं की ओर से विचार रखने का मौका भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह में 351 जोड़ों ने लिए फेरे

धूमधाम से निकली बारात नाचे सांसद, विधायक

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत पांढुर्ना में 351 जोड़ों ने फेरे लिए जिसमें 228 आदिवासी युवक- युवतियों ने शादी रचाई वहीं इसके अलावा 105 पिछड़ा वर्ग के जोड़े, 16 बौद्ध समाज के जोड़े और 2 मुस्लिम जोड़ों का निकाह हुआ। सभी विवाह अपने अपने धार्मिक रीति रिवाजों के मुताबिक सम्पन्न हुए। पांढ़र्ना के कृषि उपज मंडी प्रांगण में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत 351 जोड़ों की शादी हुई और नगरपालिका से निकली बारात में सभी दूल्हे कार्यक्रम स्थल पहुंचे। बारात में सांसद बंटी विवेक साहू, विधायक नीलेश उईके शामिल हुए और बारात में नाचे इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे धमधाम से निकली बारात बारात में जनप्रतिनिधि जमकर थिरके। सांसद बंटी विवेक साहू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस योजना को गरीब परिवारों की बेटियों के लिए वरदान बताया कार्यक्रम में विधायक निलेश उईके ने आदिवासी समाज के सर्वाधिक विवाह होने पर गोंडी भाषा में सभी को बधाई दी। सामूहिक

विवाह कार्यक्रम में व्यवस्थित तरीके से बारातियों को भोजन परोसा गया। इस अवसरपर सांसद श्री साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दी और उन पर फूल बरसाए, कार्यक्रम में सांसद एवं विधायक अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा 49 हजार के प्रतिकात्मक चैक दिये गए।

भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है: यादव

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने मध्यप्रदेश की कैबिनेट बैठक में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अन्नदाता मिशन को मंजूरी प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा लागू किए जा रहा अन्नदाता मिशन किसानों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में नेशनल डेयरी डेवलमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य हुए अनुबंध से दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा, जिससे किसानों और पशुपालकों व गौपालकों की आय भी बढ़ेगी।

अब किसानों की आय बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर कार्य करेगी सरकार: भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर कार्य करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियों गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता के कल्याण और आर्थिक विकास के लिए भाजपा सरकार लगातार कार्य कर रही है। अन्नदाता मिशन में किसानों व कृषि से संबंधित विभागों जैसे कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, खाद्य-प्रसंस्करण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की किसानों से संबंधित योजनाओं को समेकित कर किसानों को लाभ दिलाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संबंधित विभाग के मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। इसी तरह की समिति जिलों में बनाई जाएगी, ताकि किसानों को उनसे जुड़ी किसी भी योजना का लाभ लेने में कोई परेशान न आए। अन्नदाता मिशन किसानों को अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वैश्य महासम्मेलन ने कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष को किया आमंत्रित

27का सेमिनार शेषराव यादव की अध्यक्षता एवं गंगाप्रसाद तिवारी के मुख्य आतिथ्य में होगा

छिंदवाड़ा वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा द्वारा 27 अप्रैल को गुरैया रोड स्थित रानी कोठी लॉन में डायबिटीज को लेकर सेमिनार का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव की अध्यक्षता में , कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी के मुख्य आतिथ्य में एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री विजय झांझरी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर में मुंबई के प्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट डॉ गाडगे अपनी सेवाएं देते हुए डायबिटीज के रोगियों की जांच, ईलाज एवं सेमिनार को संबोधित करेंगे।

मीडिया प्रभारी विकास वात्सल्य ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन ने इस डायबिटीज स्वास्थ्य शिविर हेतु वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री विजय झांझरी सदस्यों के साथ कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री गंगाप्रसाद तिवारी को आमंत्रित करने उनके निवास पर पहुंचे। श्री तिवारी द्वारा वैश्य महासम्मेलन के सदस्यों का भावभीना स्वागत किया और संगठन के आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए शिविर में शामिल होने की सहमति दी। श्री तिवारीजी के साथ मनीष पांडे भी उपस्थित थे। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री विजय झांझरी के साथ संभागीय अध्यक्ष नीरज भारद्वाज, मुकुंद अग्रवाल, ब्रजेश काल्पीवार, शैलेन्द्र जैन, विशाल माहेश्वरी, नरेंद्र अग्रवाल बबलू , अजय पिंटू चौरसिया, नीलेश जैन , मनमोहन चांडक सहित सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा सोनिया एवं राहुल गांधी को परेशान कर रही, कांग्रेस ने मोदी सरकार के राजनीतिक प्रतिकार के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार के द्वारा लगातार चलाई जा रही दमनकारी नीति व कार्रवाई की कड़ी निंदा करती है। भविष्य में भी अगर भाजपा सरकार के द्वारा बदले की भावना से कार्रवाई करती है तो कांग्रेस ढटकर विरोध करेगी। नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की मनमानी व अन्यायपूर्ण जब्ती के साथ ही पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना मोदी सरकार की कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है, यह तो कानून का ढोंग रचता हुआ एक प्रायोजित अपराध है। उक्त उदगार कांग्रेस के द्वारा राज्यपाल के नाम कलेक्ट्रेट में सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने व्यक्त किए।

सोनिया गांधी व राहुल गांधी के साथ ही कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करना राज्य शासन का भयानक दुरुपयोग है। लोकतांत्रिक विपक्ष पर सीधा हमला है, सत्तारूढ़ शासन द्वारा राजनीतिक डराने-धमकाने का एक घटिया प्रयास है, जो पूरी तरह से बदले की भावना से प्रेरित है, प्रतिशोध की राजनीति का निकृष्टतम रूप है इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। भाजपा

सरकार के द्वारा बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई का कांग्रेस कड़ी निंदा करती है। कांग्रेस ने पहले भी भारत की आजादी के लिए संघर्ष किया है और फिर करेंगे। सत्य, न्याय व संवैधानिक लोकतंत्र के मूल्य हमारे लिए समझौता न करने योग्य हैं। सत्यमेव जयते केवल एक नारा नहीं है – यह हमारा दृढ़ विश्वास है।

कांग्रेस ने प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से आगे कहा कि मोदी सरकार अपनी बदले की भावना को शांत करने के लिए जिस तरह से देश में ईडी, सीबीआई व अन्य केन्द्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को परेशान कर रही है वह पूर्ण रूपेण असंवैधानिक व नियमों के खिलाफ है जिसकी कांग्रेस कड़ी निंदा करती है।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में छिंदवाडा के रंगकर्मी प्रवीण चौरागड़े ने फहराया परचम

छिन्दवाड़ा। शहर के युवा रंगकर्मी प्रवीण चौरागड़े के सह निर्देशन में बनेगी साउथ सुपरस्टार किच्चा सुदीप अभिनीत फिल्म बिल्ला रंगा बाशा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद डायरेक्टर अनूप भंडारी के निर्देशन में फिल्म बिल्ला रंगा बाशा का निर्माण हो रहा है जिसमे फिल्म में सह निर्देशक के लिए छिन्दवाड़ा के प्रवीण चौरागड़े का चयन किया गया, इसे पूर्व अनूप भंडारी द्वारा विक्रांत रोना , रंगी तरंगा , राजा रथ फिल्म का भी निर्माण किया था, विक्रांत रोना फिल्म जिसमे प्रोडूसर फिल्म अभिनेता सलमान खान थे ,प्रवीण चौरागड़े अनूप भंडारी की निर्देशन टीम में सह निर्देशक की भूमिका अदा करेंगे ,फिल्म बिल्ला रंगा बाशा जिसमे मुख्य अभिनेता साउथ सुपरस्टार किच्चा सुदीप है ,प्रवीण का बचपन से ही फिल्म निर्माण की तरफ रुझान था , प्राइमशो एंटरटेनमेंट के चैतन्य रेड्डी और निरंजन रेड्डी फिल्म के निर्माता हैं, प्रवीण की बनाई शोर्ट फिल्म और फिल्म के कार्य के उत्कर्ष को देख प्रोडक्शन टीम ने प्रवीण का चयन किया, प्रवीण छिंदवाड़ा के रंगकर्मी और फिल्म निर्देशक हैं प्रवीण की 3 फिल्मों का चयन देश के 2 बड़े फिल्म फेस्टिवल में हुआ था , इससे पहले प्रवीण ने सत्याग्रह, सेल्फी, आरक्षण, राजनीति, वाह ताज, गंगाजल, कंतारा, विक्रांत रौना जैसी और फिल्मों में काम किया था

जिला में अवैध उत्खनन विभाग मौन

छिंदवाड़ा । जिले में अवैध खनन का 'अंधेर नगरी चौपट राजा' जैसा हाल है! सोनपुर और बड़गोना की पहाड़ियों को छलनी करने के बाद, अब खनन माफियाओं की जेसीबी मशीनें उमरिया इसरा की पहाड़ियों पर गरज रही हैं।

दिनदहाड़े हो रही इस खुली लूट को आम नागरिक तो देख पा रहे हैं, लेकिन लगता है कि खनिज विभाग के अधिकारियों की आंखें कमजोर हो गई हैं या फिर किसी 'विशेष चश्मे' ने उन्हें सब कुछ धुंधला दिखा रहा है! कहीं ऐसा तो नहीं कि 'दक्षिणा' की मधुर ध्वनि ने विभाग के कानों के साथ-साथ उनकी अंतरात्मा को भी शांत कर दिया है?

पिछले कुछ समय से बड़गोना डेम और सोनपुर की पहाड़ियों में मुरम की अवैध खुदाई का खेल चल रहा था। अब इस सूची में उमरिया इसरा की पहाड़ी का नाम भी जुड़ गया है। यहां जेसीबी मशीनें और ट्रैक्टर खुलेआम मिट्टी और मुरम को चीरते हुए देखे जा सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि इतने स्पष्ट प्रमाण होने के बावजूद, खनिज विभाग की तरफ से कोई भी 'उंगली' तक नहीं उठाई गई है।

सूत्रों की मानें तो इस 'मिट्टी के कुबेर' के पीछे अ.वारे की मशीनों का बेड़ा और सो.नारे की सप्लाई का मजबूत नेटवर्क काम कर रहा है। इन दोनों की 'पवित्र' जुगलबंदी ने बड़गोना क्षेत्र में अवैध मुरम उत्खनन को एक संगठित उद्योग का रूप दे दिया है।आलम यह है कि इन माफियाओं ने सड़क पर भी मुरम डालकर अपनी 'पहचान' को और भी पुख्ता कर दिया है! इन सबके बावजूद खनिज विभाग के अधिकारी गहरी नींद में सो रहे हैं। जानकार तो यहां तक कह रहे हैं कि इन 'मिट्टी पुत्रों' की विभाग में 'ऊंची सेटिंग' है, जिसके चलते उन्हें 'खुदाई लाइसेंस' की भी जरूरत महसूस नहीं होती!

अब देखना यह है कि प्रशासन कब इस 'कुंभकर्णी नींद' से जागता है। यदि समय रहते इस अवैध कारोबार पर लगाम नहीं कसी गई, तो न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान होगा, बल्कि यह गोरखधंधा पूरे जिले के लिए एक ऐसा 'काला अध्याय' बन जाएगा, जो यह सिखाएगा कि नियमों को ताक पर रखकर भी कैसे 'समृद्धि' हासिल की जा सकती है!

बढ़ती गर्मी को देखते हुए जरूरतमंदों को राष्ट्रीय हिंदू सेना ने किया छातों का वितरण

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय हिन्दू सेना छिंदवाड़ा अध्यक्ष यमन साहू जी ने बताया है कि बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए जरूरतमंदो को नगर की विभिन्न चौराहों पर अपनी दुकान लगाकर जीवन यापन करने वाले लोगों को गर्मी में परेशानी न हो ब आने वाले बारिश के मौसम से भी बचे इसलिए छातो का वितरण किया गया आगे भी राष्ट्रीय हिन्दू सेना द्वारा यह मुहिम निरंतर चलाई जाएगी इस दौरान राष्ट्रीय हिन्दू सेना के जिला उपाध्यक अनुराग श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष ऋषि लाला नगर प्रभारी दीपक चंद्रवंशी वैभव साहू गोविंदा बम्होरे मयंक सोनी मोहन यादव एवं राष्ट्रीय हिन्दू सेना के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे

भाजपा पार्षद पवन सूर्यवंशी ने नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय के तानाशाही रवैये और भ्रष्टाचार के खिलाफ की शिकायत

छिंदवाड़ा/परासिया – भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता एवं वार्ड क्रमांक 11 से पार्षद पवन सूर्यवंशी ने नगर पालिका परिषद परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय के तानाशाही रवैये संगठन की उपेक्षा एवं भ्रष्टाचारपूर्ण कार्यशैली के खिलाफ जिला अध्यक्ष शेषराव यादव को एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की है।पवन सूर्यवंशी ने आरोप लगाया है कि विनोद मालवीय ने दिनांक 26 मार्च 2025 को बिना किसी पूर्व सूचना या संगठन से विमर्श किए उन्हें नगर पालिका की पीआईसी (स्थायी समिति) से हटा दिया और उनकी जगह कांग्रेस से आए नए सदस्य को सभापति नियुक्त कर दिया।श्री सूर्यवंशी का कहना है कि यह निर्णय पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और संगठन की गरिमा के विपरीत है।अपने पत्र में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने हमेशा संगठन के आदेशों का पालन किया है और पार्टी के महापर्व में 1051 नए सदस्य बनवाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं नगर निकाय चुनाव में भी उन्होंने जिले में सर्वाधिक मतों से जीत दर्ज की थी।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह सब इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का विरोध किया था। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान अध्यक्ष के विरुद्ध कलेक्टर कार्यालय में भ्रष्टाचार की जांच चल रही है और एक पार्षद की जासूसी का मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

महापौर ने किया योजना कार्यालय का निरीक्षण विवाह के आवेदनों की जांच शीघ्र करने के निर्देश

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में दिनांक 30 अप्रैल 2025 को सामूहिक विवाह/ निकाह का आयोजन किया जाना है। इस संबंध में आवेदनों पर होने वाली कार्यवाही एवं जांच का निरीक्षण करने महापौर विक्रम अहके अचानक योजना कार्यालय पहुंचे। यहां महापौर ने शाखा का निरीक्षण कर पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली साथ ही आवेदनों की जांच शीघ्र कर उसे ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत महापौर ने अन्य शाखाओं का भी निरीक्षण किया एवं लंबित आवेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित शाखा प्रभारियों को दिए। इस दौरान सभापति राहुल उइके, सहायक यंत्री विवेक चौहान, कार्यालय अधीक्षक मोहन नागदेव सहित अन्य उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत अजनगांव को मिला आईएसओ सर्टिफिकेट

खरगोन। जनपद पंचायत भीकनगांव सीईओ श्रीमती पूजा मालाकार के निर्देशन में जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत अजनगांव को उत्कृष्ठ कार्य, स्वच्छ, सुव्यवस्थित पंचायत परिसर, व्यवस्थित रिकार्ड रखने, हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करना व उनके लिए परस्पर व्यवहारिक वातावरण बनाने सहित अन्य व्यवस्थाओं के आधार पर आईएसओ सर्टिफिकेट मिला है। 16 अप्रैल को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी री आकाश सिंह ने जिला पंचायत कार्यालय में सरपंच प्रतिनिधि गोरेलाल देव?ा, उपसरपंच दीपक मालाकार, जनपद सदस्य प्रतिनिधि चमू भाई भूरिया की उपस्थिति में ग्राम पंचायत अजनगांव के सचिव मुस्तकिम खान को आईएसओ सर्टिफिकेट प्रदान किया। आईएसओ सर्टिफिकेट पाने वाली खरगोन जिले में आईएसओ सर्टिफिकेट पाने वाली दूसरी ग्राम पंचायत है।

ज्ञात रहे कि कुछ दिनों पूर्व ही जनपद पंचायत भीकनगाँव को आईएसओ सर्टिफिकेट मिला था। जनपद पंचायत भीकनगाँव सीईओ श्रीमती पूजा मालाकार सैनी ने आईएसओ सर्टिफिकेट मिलने के बाद अपनी अधीनस्थ ग्राम पंचायतों को भी गुणवत्ता में सुधार कर उत्कृष्ट कार्य करने की बात कही थी।

श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनकर झूमे श्रोता

दुराचारी को भगवान का भक्त बना दे वही सद्गुरु- राघवेंद्र महाराज

छतरपुर। चेतगिरी कालोनी में हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुनकर श्रोता झूम उठे। कथा व्यास राघवेन्द्र महाराज ने अपनी कथा का शुभारंभ करते हुये कहा कि जिस वाणी को दूसरे निंदा करने की आदत बन चुकी हो वह भगवान का नाम नहीं ले सकती। इसी तरह जिन कानों को दूसरे की निंदा सुनने की आदत हो वह भी भगवान की कथा नहीं सुन सकते। उन्होंने बाल्मीक और नारद की भेंट का प्रसंग सुनाते हुये कहा कि जो दुराचारी को भगवान का भक्त बना दे वही सद्गुण है। गुरू की महत्ता कब है जब किसी दुराचारी को राधा-कृष्ण का भक्त बनाये किसी पतित के आंगन में जाकर परमात्मा तक पहुंचाए यहीं साधु का धर्म है। उन्होंने चेतन्य महाप्रभु की चर्चा करते हुये कहा कि वह कसाई के घर गये और उसे सीने से लगा लिया तो उसके जीवन में अप्रत्याशित बदलाव आया। उन्होंने कहा कि प्रायश्चित की अग्नि से जब किसी का शरीर जलता है तो उसका पुनर्जीवन होता है। कथा व्यास ने बताया कि

बाल्मीक जी राम का नाम नहीं ले पा रहे थे और उल्टा नाम जपकर उन्होंने सिद्धि पाई। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म कोई त्यौहार नहीं है बल्कि धर्म को सदैव जपना चाहिए उन्होंने कहा कि भागवत जी रूढवादी धर्म की बात नहीं करती। परमात्मा से अकारण प्रेम हो जाना परमधर्म है उन्होंने कहा कि जब कोई कारण होता है तब हम भगवान के द्वार पर जाते हैं। जो बिना कारण के भगवान के पास गए उनके नाम की माला बना दें तो उसे भक्त माल कहते हैं। भक्ति में निःस्वार्थ भाव होता है भक्ति चलकर होती है। उन्होंने कहा कि सदना कसाई रविदास जी का धर्मांतरण तो नहीं करा पाये बल्कि इस्लाम को छोड?र स्वयं सनातन को अपना लिया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुये कहा कि जब भी भक्तों पर कष्ट आता है तब-तब भगवान जन्म लेते हैं। यह भागवत कथा चेतगिरी कालोनी निवासी सेवानिवृत्त कर्मचारी आशा लक्ष्मण सिंह के द्वारा कराई जा रही है।

पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया को लेकर की टिप्पणी

जरूरी नहीं जितने फॉलोअर्स उतने टिकट भी बिकें

अभिनेत्री पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रेट्रो' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब फिल्म को लेकर प्रमोशन भी शुरू हो गया है। इसको लेकर फिल्म की कास्ट अलग-अलग जगहों पर पहुंचकर फिल्म का प्रचार कर रही है। इसी कड़ी में फिल्म की अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया के अपने फॉलोअर्स और बॉक्स ऑफिस के टिकट को लेकर एक मजेदार टिप्पणी की है।

सोशल मीडिया के फॉलोअर्स और अपने प्रशंसकों को लेकर पूजा हेगड़े ने फिल्म प्रमोशन के दौरान बातचीत में कहा, सोशल मीडिया और वास्तविक दुनिया दो अलग-अलग चीजें हैं। जब मैं हैदराबाद या तिरुमाला जाती हूं, तो लोगों से मिलती हूं और यह मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे बॉट होते हैं, जिनके पास न तो डिस्प्ले पिक्चर होती है और न ही उनके अकाउंट में कोई पोस्ट होती है। मैं भी उन फेसलेस ट्रोल्स से प्रभावित होती हूं, क्योंकि मैं भी एक इंसान हूं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह वास्तविक दुनिया नहीं है।

सोशल मीडिया के फॉलोअर्स और अपने प्रशंसकों को लेकर पूजा हेगड़े ने फिल्म प्रमोशन के दौरान बातचीत में कहा, सोशल मीडिया और वास्तविक दुनिया दो अलग-अलग चीजें हैं। जब मैं हैदराबाद या तिरुमाला जाती हूं, तो लोगों से मिलती हूं और यह मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे बॉट होते हैं, जिनके पास न तो डिस्प्ले पिक्चर होती है और न ही उनके अकाउंट में कोई पोस्ट होती है। मैं भी उन फेसलेस ट्रोल्स से प्रभावित होती हूं, क्योंकि मैं भी एक इंसान हूं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह वास्तविक दुनिया नहीं है।

अभिनेत्री ने आगे अपने फॉलोअर्स और बॉक्स ऑफिस के टिकट बिकने पर कहा, मेरे लगभग 30 मिलियन इंस्टा फॉलोअर्स हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बॉक्स ऑफिस पर 30 मिलियन टिकट बिकेंगे। इसी तरह, कई सुपरस्टार्स के सिर्फ 5 मिलियन इंस्टा फॉलोअर्स हैं, लेकिन वे बहुत ज्यादा भीड़ खींचते हैं। अपना काम ठीक से करना और लोगों से सीधे फीडबैक लेना महत्वपूर्ण है।

कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित 'रेट्रो' 1 मई को रिलीज होनी है। फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ सूर्या प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। रेट्रो एक्शन से भरपूर एक लव स्टोरी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

भूल चूक माफ' का पहला गाना रिलीज, राजकुमार राव और वामिका गब्बी का दिखा रोमांटिक अंदाज

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' का नया गाना आज रिलीज हो गया है। फिल्म के मजेदार ट्रेलर के बाद अब फिल्म का पहला गाना आज रिलीज हुआ है। 'कोई ना' एक रोमांटिक गाना है। इस गाने में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिल रही है।

'भूल चूक माफ' का पहला गाना 'कोई ना' तनिष्क बागची और गिफ्टी ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। इस गाने को हरनूर और श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है। यह पंजाबी गाने वालियान का रीमेक है।

फिल्म का पहला गीत 'भूल चूक माफ' के प्रमुख कलाकारों राजकुमार राव और वामिका गब्बी के किरदारों रंजन और तितली की प्रेम कहानी की झलक पेश करता है। यह दिखाता है कि वाराणसी की खूबसूरत जगहों पर उनका रोमांस कैसे पनपता है। वीडियो उनके रोमांटिक और मजेदार पलों से भरा पड़ा है, जब वे एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं।

'भूल चूक माफ' टाइम-लूप थीम पर आधारित फिल्म है। रंजन और तितली की शादी होने वाली है, लेकिन हल्दी के बाद उनकी शादी का दिन कभी नहीं आता। इससे बहुत सारी अराजकता होती है, जो दर्शकों के लिए भरपूर मनोरंजन का वादा करती है। फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के अलावा संजय मिश्रा, सीमा पाहवा, जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव, इशित फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब दर्शक कर रहे तारीफ

सनी देओल पहले नहीं करना चाहते थे ढाई किलो का हाथ का इस्तेमाल

सनी देओल का मशहूर डायलॉग है ढाई किलो का हाथ। इस डॉयलॉग का इस्तेमाल उनकी नई फिल्म जाट में हुआ है। उन्होंने इस पर अपनी बात रखी है। सनी देओल इस डायलॉग को फिल्म में इस्तेमाल नहीं करना चाहते थे। सनी देओल ने कहा कि इस डायलॉग को इस्तेमाल करने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी लेकिन निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी ने उन्हें इसके इस्तेमाल के लिए मनाया।

आईएमडीबी से बातचीत करते हुए सनी देओल ने कहा कि मैं इस डायलॉग को लेकर बहुत ज्यादा खुश नहीं था लेकिन फिर मुझे समझ आ गया कि इसकी जरूरत क्यों है और निर्देशक ने खास दृश्य में इसे क्यों शामिल किया है। फिल्म में यह डायलॉग बहुत सही तरीके से आया और अब लोग इसके बारे में बातें कर रहे हैं।

आपको बता दें कि सनी देओल का ढाई किलो का हाथ वाला डायलॉग साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म दामिनी का है। फिल्म में मीनाक्षी शेषाद्रि, अमरीश पुरी और ऋषि कपूर थे। जाट फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। फिल्म ने मंगलवार को छह करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने खबर लिखे जाने तक 55.2 करोड़ रुपये कमा लिए थे। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर बुधवार को अपने फैंस को शुक्रिया कहा। उन्होंने लिखा फिल्म जाट और इसके गाने को मिल रहे प्यार को महसूस कर रहा हूं। शूटिंग से सीधे कुछ सीन शेयर कर रहा हूं। यह उनके लिए जिन्होंने इस गाने को महसूस किया है। आगे बढ़ो और खुद अपनी रील बनाओ। इसे महसूस करो।

सनी देओल के अलावा इस फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, रेजिना कैसेंड्रा, उर्वशी रौतेला, सैयामी खेर और आयशा खान हैं।

आजकल जो पिक्चर बनाते हैं, मैं उसमें फिट नहीं बैठ सकती, अभिनय में वापसी पर बोलीं हेमा मालिनी

हेमा मालिनी उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती दोनों से दर्शकों का दिल जीता है। ड्रीम गर्ल ने कई लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय किया है। फिलहाल में राजनीति में सक्रिय हैं। वे उत्तर प्रदेश के मथुरा से सांसद हैं। फैंस उन्हें एक बार फिर पर्दे पर देखने को उत्साहित हैं। हेमा मालिनी ने अभिनय की दुनिया में वापसी को लेकर ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई है। हाल ही में अभिनेत्री से इस बारे में पूछा गया। उन्होंने जवाब दिया, आजकल जो पिक्चर बनाते हैं, मैं उसमें फिट नहीं होती। मैं जिसमें फिट हो सकूं, वैसी फिल्म अलग से बनानी होगी। इस बारे में उनकी बेटी एशा से भी पूछा गया कि क्या आपने उन्हें राजी किया है कमबैक को लेकर? इस पर एशा ने भी यह कहा कि राजी तो हैं, लेकिन फिल्म वैसी होनी चाहिए, जो उनके हिसाब की हो। हेमा मालिनी की चर्चित फिल्में शोले, सत्ते पे सत्ता, सीता और गीता, कसौटी, त्रिशूल, महबूबा, बागबान हैं।

बीआरबीः फर्स्ट ब्लड की शूटिंग शुरू, निर्माताओं ने जारी किया किच्चा सुदीप का फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म बीआरबी फर्स्ट ब्लड (बिल्ला रंगा बाशा) की शूटिंग शुरू होने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। अनूप भंडारी द्वारा निर्देशित और प्राइम शो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फिल्म पिछले कुछ समय से प्री-प्रोडक्शन में थी और आखिरकार इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अपने एक्स पोस्ट में किच्चा सुदीप ने लिखा, 2209 एडी- बीआरबी फर्स्ट ब्लड आज से यात्रा शुरू हो रही है। हमारे लिए हमारी टीम का यह विशाल सपना और विजन फ्लोर पर जाना एक अनोखा उत्साह है। एक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें सुदीप को बर्फीले तूफान में दिखाया गया है, माथे पर बर्फ का चश्मा पहने हुए हैं, जिसमें आग से मची तबाही के दृश्य को दिखाया गया है।

बीआरबी फर्स्ट ब्लड के जरिए सुदीप ने निर्देशक अनूप भंडारी के साथ दोबारा हाथ मिलाया है। इससे पहले दोनों ने विक्रांत रोना में साथ काम किया था, जो सुपरहिट रही थी। पिछले साल किच्चा सुदीप के जन्मदिन पर फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया था, जिसमें वर्ष 2209 एडी में एक तबाही के बाद के भविष्य में सेट दो-भाग की कहानी के रूप में दुनिया की झलक दिखाई गई थी। इस प्रोजेक्ट को के निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी के प्राइम शो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया जा रहा है, जिन्हें ब्लॉकबस्टर हनुमान के निर्माण के लिए जाना जाता है। जैसे ही पोस्टर रिलीज हुआ सुपरस्टार के प्रशंसकों ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपनी प्रतिक्रिया और फिल्म की रिलीज के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की। बीआरबी से पहले सुदीप ने एक्शन थ्रिलर मैक्स में अभिनय किया था, जो 25 दिसंबर, 2024 को रिलीज हुई थी।

किरदार में उतरने के लिए इमरान हाशमी करते हैं मेहनत, कभी की बॉडी बिल्डिंग, तो कभी सीखा क्रिकेट

अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म जम्मू व कश्मीर में आतकंवाद पर आधारित है। खबर है कि फिल्म के लिए इमरान हाशमी ने काफी मेहनत की है। उन्होंने इस फिल्म में बीएसएफ जवान का किरदार अदा करने के लिए ट्रेनिंग भी ली है। इस खबर में हम आपको बताएंगे कि इमरान हाशमी ने कौन-कौन सी फिल्मों के लिए कुछ नया किया है? फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी ने एक बीएसएफ अधिकारी की भूमिका निभाई है। फिल्म की शूटिंग से पहले इमरान हाशमी ने इस फिल्म के लिए ट्रेनिंग ली। इमरान हाशमी ने एक इंटरव्यू में खुद बताया कि मैंने महीनों तक प्रशिक्षण लिया, सख्त आहार का पालन किया और उनके हिसाब से ढलने के लिए

अपनी दिनचर्या को पूरी तरह से बदल दिया। यह सिर्फ वर्दी पहनने तक सीमित नहीं था। बल्कि वर्दी पहनने वाले के रूप में ढलना था। ग्राउंड जीरो फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इमरान हाशमी ने अजहर फिल्म में क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन का किरदार निभाया। यह फिल्म क्रिकेटर अजहरुद्दीन की जिंदगी पर बनी है। इस फिल्म में अभिनय करने से पहले इमरान हाशमी ने क्रिकेट की बारीकियां सीखीं। खुद अजहरुद्दीन ने इमरान हाशमी को क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया क्योंकि इमरान को अजहर के अनोखे खेलने के तरीके में फुटवर्क सीखने में दिक्कत हो रही थी। यह फिल्म 13 मई 2016 को रिलीज हुई थी। सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 12 नवंबर 2023 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में काम करने के लिए इमरान हाशमी ने अपने आपको काफी फिट किया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने आईएसआईएस का किरदार निभाया था। टाइगर में सलमान खान का किरदार पहले से स्टैब्लिश था लेकिन फिल्म निर्माता इस फिल्म में इमरान हाशमी की एंट्री को जबरदस्त दिखाना चाहते थे इसलिए इमरान ने अपने किरदार पर मेहनत की। अजय देवगन और इमरान हाशमी के किरदार से सजी फिल्म बादशाहो एक सितंबर 2017 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में काम करने से पहले इमरान हाशमी ने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने घंटों जिम में पसीना बहाया था। अपने आपको फिट रखने के लिए वैसे तो इमरान हाशमी वर्कआउट करते हैं लेकिन इस फिल्म में काम करने से पहले उन्होंने बॉडी बिल्डिंग की थी।

रीयलमी ने भारत में एआईओटी उपकरणों का विनिर्माण करने के लिए ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साझीदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रीयलमी ने भारत के विनिर्माण पारितंत्र को मजबूत करने और सरकार की मेक इन इंडिया पहल में सहयोग करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत में अपनी अगली पीढ़ी के एआईओटी उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ओईएल) के साथ साझीदारी की है। घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने के अपने दीर्घकालीन विजन के तहत रीयलमी ने ईयरफोन, स्मार्टवाचेज़ और टैबलेट्स सहित अपने एआईओटी उत्पाद का संपूर्ण पोर्टफोलियो भारत में तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इस साल की शुरुआत से रीयलमी बड्स टी200 सीरीज़, रीयलमी बड्स वायरेल सीरीज़ और रीयलमी बड्स एयर सीरीज़ जैसे उत्पाद स्थानीय उत्पादन लाइनों में तैयार होने लगेंगे। इसके समानांतर, रीयलमी पीसीबीए, बैटरियां, मैकेनिक्स, केबल्स और चार्जर जैसे ज्यादातर महत्वपूर्ण पुर्जे भारत के भीतर प्राप्त करने के प्रयास भी बढ़ा रही है।

टूक पेश करते हैं अपनी गेमिंग सीरीज़ में बड्स क्रिस्टल डायनो; रु 999 स्पेशल लॉन्च कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। आधुनिक टेक्नोलॉजी के लिए विख्यात भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते ऑडियो ब्राण्ड्स में से एक टूक ने भारतीय मार्केट के लिए अपनी नई गेमिंग सीरीज़ के लॉन्च की घोषणा की है। बड्स क्रिस्टल डायनो स्लीक चार्जिंग केस, प्रीमियम लैदर फिनिश के साथ भव्य एवं टिकाउ है तथा स्टोरेज एवं चार्जिंग के लिए स्टाइलिश और व्यवहारिक भी है। नया बड्स क्रिस्टल डायनो 21 अप्रैल से एमज़ॉन डॉट इन, फ्लिपकार्ट और टूक डॉट इन पर रु 1099 की कीमत पर खरीद के लिए उपलब्ध होगा। लॉन्च के अवसर पर पंकज उपाध्याय, संस्थापक एवं सीईओ, टूक ने कहा, ''गेमिंग उद्योग लगातार दो अंकों की सालाना दर से विकसित हो रहा है, इसके बावजूद देश के कई टियर 2 और टियर 3 शहरों में प्रीमियम गेमिंग गियर सुलभ नहीं हैं।

अमेज़न इंडिया ने स्मार्ट वॉइस प्रोग्राम को टैबलेट्स तक बढ़ाया

बेंगलुरु। अमेज़न इंडिया ने आज अपने स्मार्ट वॉइस प्रोग्राम का विस्तार टैबलेट्स कैटेगरी तक करने की घोषणा की. यह फैसला लैपटॉप कैटेगरी में इस प्रोग्राम की ज़बरदस्त सफलता के बाद लिया गया है. यह प्रोग्राम ग्राहकों की खास ज़रूरतों और इस्तेमाल की प्राथमिकताओं के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा चुनी गई सिफारिशों के ज़रिए डिवाइस चुनना आसान बनाता है. टैबलेट्स अमेज़न इंडिया के लिए एक तेज़ी से बढ़ने वाली कैटेगरी है, जिसमें 2024 में 26 प्रतिशत सालाना की ग्रोथ दर्ज की गई है.ज़ेबा खान, डायरेक्टर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, अमेज़न इंडिया ने कहा, स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम को ग्राहकों की ज़रूरतों को समझकर डिजाइन किया गया है, और इसने खरीदारी के अनुभव को काफी बेहतर बनाया है. इसकी स्पष्टता और सटीकता के लिए इसे ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। ग्राहकों की समझ से यह पता चलता है कि इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स और उनकी तकनीकी खूबियों की विविधता से खरीदार अक्सर उलझन में पड़ जाते हैं. स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम इस चुनौती को हल करता है और यह ग्राहक लैपटॉप और टैबलेट्स की खरीदारी कैसे करते इसे पूरी तरह से बदल देता है. अब जटिल स्पेसिफिकेशन की तुलना करने की बजाय, ग्राहक अपनी ज़रूरत के हिसाब से डिवाइस चुन सकते हैं ।

बर्जर पेंट्स ने लॉन्च की 'गर्मी गॉन, ठंडक ऑन' पहल

इंदौर। बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, जो देश की दूसरी सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ रही पेंट कंपनी है, ने अपने नए होम कूलिंग पेंट्स लॉन्च किए हैं। इनमें वेदरकोट एंटी डस्ट कूल, रूफ कूल एंड सील और टैंक कूल पेंट्स शामिल हैं। कंपनी ने गर्मी और तापमान में लगातार बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए ये पेंट्स बनाए हैं। लोगों को घर को ठंडा रखने के लिए अच्छे और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों की जरूरत है। ये पेंट्स घर को ठंडा रखने में मदद करते हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना आरामदायक माहौल प्रदान करते हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव बेहद गंभीर हो रहे हैं। इससे शहरों में अर्बन हीट आइलैंड की समस्या बढ़ रही है, जहाँ ज्यादा आबादी, कंक्रीट की इमारतें और कम पेड़-पौधों की वजह से तापमान बहुत ज्यादा रहता है। इसके कारण लोग घर को ठंडा रखने के लिए एयर कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे बिजली की खपत और बिल दोनों ही तेजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही, बिजली की ज्यादा माँग से न सिर्फ पॉवर ग्रिड पर दबाव पड़ता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ता है, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है। बढ़ते तापमान से निपटने के लिए घर को ठंडा रखने वाले ड्यूरेबल प्रोडक्ट्स बहुत जरूरी हो गए हैं, खासकर उन इलाकों में जहाँ गर्मी ज्यादा पड़ती है और लोग अलग-अलग घरों में रहते हैं।

एनएसई ने पार किया 22 करोड़ निवेशक खातों का आंकड़ा

इंदौर। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया ने अप्रैल 2025 में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, जब निवेशकों के कुल खाते यानि यूनिक क्लाइंट कोड्स (यूसीसी) की संख्या 22 करोड़ के पार पहुँच गई। खास बात यह रही कि अक्टूबर 2024 में 20 करोड़ के आँकड़े को पार करने के बाद सिर्फ छह महीनों में ही कंपनी तेज़ी से यह महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वहीं, 31 मार्च, 2025 तक यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 11.3 करोड़ दर्ज की गई, जो कि 20 जनवरी, 2025 को ही 11 करोड़ का आँकड़ा पार कर चुकी थी। एक निवेशक के कई ब्रोकर्स के साथ खाते हो सकते हैं, जिससे उसके नाम पर एक से अधिक क्लाइंट कोड हो सकते हैं। यदि राज्यों की बात करें, तो निवेशक खातों की संख्या के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, यहाँ कुल 3.8 करोड़ खाते हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 2.4 करोड़, गुजरात में 1.9 करोड़ और राजस्थान व पश्चिम बंगाल दोनों में प्रत्येक में 1.3 करोड़ निवेशक खाते दर्ज किए गए हैं।

मेटा ने भारत में इंस्टाग्राम पर किशोरों की सुरक्षा के लिए नए फीचर्स लॉन्च किए

नई दिल्ली। मेटा ने भारत में किशोरों (टीन्स) की डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत करते हुएइंस्टाग्राम पर टीन अकाउंट्स के लिए नए सुरक्षा फीचर्सकी घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि जल्द ही ये उन्नत फीचर्सफेसबुक और मैसेंजरपर भी लागू होंगे। नई पहल के तहत अब 16 वर्ष से कम उम्र के यूज़र्स पैरेंट्स की अनुमति के बिना इंस्टाग्राम पर लाइव नहीं जा सकेंगे, और वेडायरेक्ट मैसेज में आपत्तिजनक इमेज को ब्लॉक करने वाले फिल्टरको भी बंद नहीं कर पाएंगे।

इस मौके पर मेटा ने दिल्ली में 'टीन सेफ्टी फोरम'का आयोजन किया, जिसमें लेखिका एवं ट्वीक इंडिया की संस्थापकट्विंकल खन्नाऔर इंस्टाग्राम की ग्लोबल पब्लिक पॉलिसी डायरेक्टरटारा हॉपकिंसने भाग लिया। कार्यक्रम मेंसुरक्षा विशेषज्ञों, शिक्षकों और अभिभावकोंकी उपस्थिति रही।

विवादित, नामांतरण के प्रकरण स्वयं पीठासीन अधिकारी हैंडल, प्रवाचक के अनुसार केस डिस्पॉजल न करें

मुरैना। राजस्व अधिकारी विवादित, अविवादित नामांतरण के प्रकरणों में स्वयं पीठासीन अधिकारी विवेक से कार्य करें। प्रवाचक के अनुसार केस डिस्पॉजल न करें, क्योंकि आगे कहीं फिर समस्या खड़ी हो सकती है। यह निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, समस्त अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा सीमांकन में पिछले तीन माह के 31 केस पोर्टल पर दिख रहे हैं, राजस्व अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि अगली टीएल तक यह आंकड़ा शून्य पर हो जाये। उन्होंने कहा कि अकसर ऐसे ही प्रकरण समाधान ऑनलाइन में पहुंचते हैं, वह जबाव देना कठिन हो जाता है। सभी एसडीएम स्वयं संज्ञान में लायें और लंबित पेंडेन्सि को हल करें। कलेक्टर ने कहा कि नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा के प्रकरण बढ़ना नहीं चाहिये। इनके संबंध में पटवारियों की बैठक लें और तत्परता से निराकरण होना चाहिये। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में जबाव इस प्रकार से लिखें कि उसका जबाव संतुष्टिपूर्ण होना चाहिये। कहीं जबाव का अलग मतलब न निकले तो समाधान में जबाव न दे सके। उन्होंने कहा कि 20 अप्रैल को सीएम हेल्पलाइन का डेटा फीड हो जायेगा, इसलिये 3 दिन में छुट्टियों के दौरान सीएम हेल्पलाइन पर कार्य होता रहे। एसडीएम, तहसीलदार यह सुनिश्चित करें कि एक भी शिकायत अनअटेन्ड आगे नहीं बड़े।

अत्यधिक गर्मी एवं लू से बचने के लिए नागरिक अपनायें सावधानियाँ : कलेक्टर

मुरैना। जिले में बढ़ती गर्मी और लू की गंभीरता को देखते हुए नागरिक सतर्क रहें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। ये बात कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने जिलेवासियों से कही। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के समय में सभी नागरिकों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्ति यों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। समस्त स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक तैयारियों के लिए निर्देशित कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन को गर्मी के दृष्टिगत स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों और जागरूकता के निर्देश दिए हैं। क्या करें हाइड्रेटेड रहना है जरूरी गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होना आम समस्या है। इससे गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं। नागरिक दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे। यात्रा करते समय पानी अवश्य साथ रखें। ओआरएस, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, फलों के रस (थोड़ा नमक मिलाकर) जैसे घरेलू पेय का सेवन लाभकारी होता है। तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा जैसी मौसमी फल-सब्ज़ियों का सेवन शरीर में तरलता बनाए रखने में सहायक होता है। शरीर को ढँककर रखें धूप में निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढँकना बेहद जरूरी है। हल्के रंग के, सूती और ढीले कपड़े पहनें, ताकि गर्मी से राहत मिल सके। सिर को टोपी, छतरी, गमछा या पारंपरिक उपायों से ढकना चाहिए। नंगे पांव धूप में जाना भी हानिकारक हो सकता है, इसलिए चप्पल या जूते पहनना अनिवार्य है। घर को ठंडा और सुरक्षित बनाएँ जहाँ तक हो सके, दोपहर के समय घर के अंदर या छांव में रहें। घर में ठंडी हवा का संचार बना रहे, इसके लिए दिन में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें और रात में उन्हें खोल दें। बाहर जाना जरूरी हो, तो सुबह या शाम के ठंडे समय में ही जाएं। गर्मी के समय बाहरी गतिविधियों को सीमित करना आवश्यक है। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए पर्दे, शटर या सनशेड का उपयोग करें।

टाटा एआईजी ने 'मेडिकेयर सेलेक्ट' शुरू की

मुंबई, एजेंसी। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने मेडिकेयर सेलेक्ट शुरू करने की घोषणा की। यह एक आधुनिक स्वास्थ्य बीमा समाधान है, रिटेल स्वास्थ्य पोर्टफोलियो को मज़बूत करना और पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा पहुंच का विस्तार करना इसका उद्देश्य है। इस व्यापक रणनीति के तहत, वित्त वर्ष 27 तक अपने अस्पताल नेटवर्क को 11,500 से बढ़ाकर 14,000 से अधिक सुविधाओं तक करना टाटा एआईजी का लक्ष्य है। कंपनी का यह भी अनुमान है कि इसी अवधि में उनके स्वास्थ्य बीमा पोर्टफोलियो का 35% हिस्सा टियर 2 और 3 बाज़ारों से आएगा। फ़िलहाल यह हिस्सा 26% है। यह बात कम सेवा वाले क्षेत्रों और गहरी रिटेल पहुंच पर कंपनी के बढ़ते फोकस को दर्शाता है।इस योजना को शुरू करना टाटा एआईजी के अपने रिटेल स्वास्थ्य पोर्टफोलियो को मज़बूत करने और भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के अनुरूप है।

सैमसंग ने लॉन्च किया एआई-पावर्ड होम अप्लायंसेज रिमोट मैनेजमेंट (एचआरएम) टूल

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने एक नई सुविधा शुरू की है - होम अप्लायंसेज रिमोट मैनेजमेंट टूल। यह एक स्मार्ट तकनीक है जो आपके घर के सैमसंग उपकरणों की परेशानी को दूर बैठे पहचानने और ठीक करने में मदद करती है। इससे सर्विस का इंतजार कम होता है और ग्राहकों को तेज़ और बेहतर सुविधा मिलती है। अब सैमसंग के टेक्नीशियन एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से प्रॉब्लम को जल्दी समझकर हल कर सकते हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पेश किया हेक्टर 'मिडनाइट कार्निवल'

गुरुग्राम। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी एमजी हेक्टर को खरीदने के अनुभव को और भी सुविधाजनक बनाने के लिए एक रोमांचक अभियान मिडनाइट कार्निवल शुरू किया है। सीमित समय के लिए शुरू किए गए इस खास अभियान में ग्राहकों को प्रत्येक वीकेंड आधी रात तक खुले रहने वाले शोरूम में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस ऑफ़र अवधि में, 20 भाग्यशाली एमजी हेक्टर खरीदारों को लंदन* की ड्रीम ट्रिप जीतने का मौका मिलेगा। इसी के साथ ही ग्राहक इस ऑफर के तहत 4 लाख रुपये तक के खास फायदे भी पा सकते हैं। ऑफर प्रोग्राम के दौरान, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया कार खरीदने के अनुभव को और भी बेहतर बनाने लिए कई तरह के वैल्यू-ड्रिवन ऑफर भी पेश कर रही है। नई हेक्टर के खरीदार इस ऑफर के तहत स्टैंडर्ड 3 साल की वारंटी के साथ ही 2 साल /1 लाख किमी की एक्सटेंडेड वारंटी का लाभ उठा सकते हैं। इसी के साथ ही 2 अतिरिक्त साल के लिए रोडसाइड असिस्टेंस भी पा सकते हैं।

एनएसएल ने 13 और 14 अप्रैल 2025 को ऐतिहासिक उच्चतम उत्पादन दर्ज

नगरनार, (छत्तीसगढ़) । नगरनार स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने 13 तथा 14 अप्रैल, 2025 को प्रचालन ऐतिहासिक प्रचालन मील के पत्थर हासिल किए, सभी प्रमुख इकाइयों ने रिकॉर्ड-तोड़ उत्पादन किया - जो संयंत्र की प्रक्रिया उत्कृष्टता और भारत के इस्पात क्षेत्र में इसकी बढ़ती ताकत दोनों को उजागर करता है। 13 अप्रैल, 2025 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में, एनएसएल के ब्लास्ट फर्नेस ने एक ही दिन में 10,169 टन हॉट मेटल का ऐतिहासिक उत्पादन हासिल किया, जो इसकी डिज़ाइन की गई अधिकतम क्षमता को पार कर गया और 2.26 टन/घन मीटर/दिन के उत्पादन तक पहुंच गया। अगस्त 2023 में चालू की गई।

तनाएरा ने लॉन्च किया 'समर सॉन्ग्स'

मुंबई, एजेंसी। दिन लम्बे हो रहे हैं और हवाओं में गर्मी बढ़ती जा रही है, इस बीच तनाएरा लेकर आए हैं 'समर सॉन्स' एक कलेक्शन जो सूरज की रोशनी से जगमाते दिनों, हल्की हवाओं और प्रकृति के भव्य स्वर का सार है। इस कलेक्शन को उन महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो भव्यता के साथ-साथ आराम का अनुभव भी पाना चाहती हैं। यह कलेक्शन हवादार कॉटन, मुलायम सिल्क, सिल्क कॉटन एवं हवादार ऑर्गेन्ज़ा एवं कोटा का बेहतरीन संयोजन है जो भारत के बेहतरीन परिधानों की कलात्मकता के साथ बुना गया है।

1984 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी एआईआईबी के उपाध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1984 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी,पूर्व राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय भूषण पांडे को एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक में उपाध्यक्ष (निवेश समाधान) के रूप में नियुक्त किया गया है । वित्त, कॉर्पोरेट प्रशासन, आधार, डिजिटल भुगतान, माल और सेवा कर (त्रस्ञ्ज), और प्रत्यक्ष कर में कई सुधारों की अगुआई करने के बाद उन्हें इस पद के लिए चुना गया था। एआईआई बी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, वे बहुपक्षीय विकास बैंक में तीन विभागों ङ्क सेक्टर, थीम्स और वित्त समाधान विभाग, स्थिरता और प्रत्ययी समाधान विभाग, और पोर्टफोलियो प्रबंधन विभाग के प्रभारी होंगे।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के पूर्व छात्र, पांडे का एक नौकरशाह के रूप में शानदार करियर रहा है, जो भारत के वित्त सचिव और राजस्व सचिव रहे हैं। इसके अलावा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (आधार) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और माल और सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) के अध्यक्ष भी रहे हैं।प्रत्येक भूमिका में, पांडे ने उल्लेखनीय योगदान दिया जैसे यूआईडीएआई के सीईओ के रूप में उन्होंने आधार को जमीन से ऊपर उठाया, जबकि वित्त सचिव के रूप में उन्होंने प्रत्यक्ष कर सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की। उनके नेतृत्व में अधिक पारदर्शिता और व्यापार करने में आसानी की अवधारणाओं को नई गति मिली। संयुक्त राज्य अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त पांडे एक योग्य नौकरशाह के रूप में जाने जाते हैं।

अपनी आवाज ही पहचान है विषय पर हुआ परिसंवाद, सभी ने रखे विचार

भोपाल। पंडित दीनानाथ व्यास स्मृति प्रतिष्ठा समिति द्वारा स्व. पुष्पावती व्यास की स्मृति में आज विश्व आवाज दिवस पर ,अपनी आवाज ही पहचान है विषय पर परिसंवाद आयोजित किया गया । दुनियाभर में आवाज को महत्व देते हुए विश्व आवाज दिवस मनाया जा रहा है। एक गायक के लिए मधुर वाणी और एकरूपता की आवश्यकता होती है और एक सफल वक्ता के लिए भी बोलना एक कला है जिससे वह भी अपनी आवाज से दुनिया में छा जाने का हुनर रखते है।व ाणी का कई जगह पर अलग ही प्रभाव होता हैं अगर आप सधे शब्दों से अपनी बात या अभिव्यक्ति करते हैं तो आपका व्यक्तित्व निखरता है. धूम्रपान, एल्कोहल के अधिक सेवन, जोर-जोर से चिल्लाकर बोलने से अपनी अच्छी आवाज और गले को नुकसान पहुंचाते हैं. बार-बार ऊंची आवाज में बोलने, चिल्लाने से वॉइस डिसऑर्डर होने की संभावना बढ़ जाती है। आपाज आपकी पहचान होती है ,अपनी आवाज को अपनी पहचान बनाइये। इस विषय पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार रखे। संगोष्ठी का संचालन साहित्यकार डॉ स्वाति तिवारी ने किया।

वाणी अनमोल उपहार है: सपना उपाध्याय

आप सभी ने वो गीत तो सुना ही होगा नाम गुम जाएगा चेहरा ये बदल जाएगा मेरी आवाज़ ही पहचान है गर याद रहे इसी गीत को चरितार्थ करती है लताजी की मीठी आवाज़ जिसके हम सब दीवाने है वो आज हमारे बीच नहीं है फिर भी हम सब के साथ है अपनी आवाज़ के रूप में ,और यही आवाज़ का जादू जो रूप रंग सब पर भारी पड़ता है ।आप अत्यंत सुंदर है किंतु आप की वाणी में माधुर्य नहीं है तो आप के व्यक्तित्व से कोई प्रभावित नहीं होगा । बहुत पहले मेने अमिताभ बच्चन जी का एक साक्षात्कार सुना था जिसने उन्होंने बताया था की उनकी भारी आवाज़ के कारण उन्हें ऑल इंडिया रेडियो में चयनित नहीं किया था किंतु आगे जाकर उनकी वही दमदार आवाज़ उनकी सबसे बड़ी ताक़त बनी यही महत्व है हमारे व्यक्तित्व में आवाज़ का ।

मेरे अधिकांश साथियों में से शायद ही कोई होगा जिसने आनंद फ़िल्म नहीं देखी होगी उसमें एक सीन है जब राजेश खन्ना जी मरने से पहले अपनी आवाज़ टैप कर लेते है और उनकी मृत्यु पश्चात वही आवाज़ जब अमित जी सुनते है तो रोना भूलकर उनकी आवाज़ में खो जाते है बाल्यावस्था में देखी इस फ़िल्म का यह सीन आज भी हृदय पर अंकित है ।

जब परिवार में पिता पुत्र या भाई - भाई की आवाज़ समान होती है और उनके से कोई एक दुनिया में नहीं रहता तो दूसरे की आवाज़ सुन कर दिल को जो सुकून मिलता है वो वही व्यक्ति समझ सकता है जिस ने अपने प्रिय को खोया है ।वाणी ईश्वर द्वारा दिया गया सबसे अनमोल उपहार है जिसका प्रयोग सब को सुख देने के लिए है याद रहे हमारी वाणी से किसी को दुख ना पहुँचे ।

एक आवाज़ इंसान को भीड़ से अलग करती है: कीर्ति कापसे

एक आवाज़ इंसान को भीड़ से अलग करती है, और भीड़ को एक इंसान के पीछे खड़ा कर देती है।

आवाज की महत्ता का जश्न: डॉ.दविंदर कौर होरा

आवाज अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। नवजात के जन्म लेने पर जब वह शब्दों से परिचित नहीं होता तब रुदन द्वारा अपने पालक तक अपनी जरूरतों और भावों को पहुंचाता है। आवाज हमारी संवाद की सबसे महत्वपूर्ण विधा है, जो हमें दूसरों के साथ जुड़ने और अपने विचारों को साझा करने का अवसर प्रदान करती है। आवाज के माध्यम से हम अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को दूसरों के सामने व्यक्त कर सकते हैं। आवाज हमारे जीवन में सतरंगी संसार सदृश्य है। आवाज कहानी, गीत-संगीत, नृत्य का माध्यम है। आवाज की दुनिया का बेताज बादशाह अमीन सायानी को रेडियो सुनने वाले आज भी नहीं भूले होंगे। लता मंगेशकर, अनुराधा पोडवाल, मोहम्मद रफी कई नाम ऐसे हैं जिन्होंने अपनी आवाज से करोड़ो दिलों पर राज किया और हमेंशा के लिए अमर हो गए। विश्व आवाज दिवस की शुरुआत 2002 में ब्राजील के डाक्टरों और वॉयस प्रोफेशनल्स ने की थी। बाद में यह एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस बन गया। यह श्वह्रञ्ज विशेषज्ञों और स्पीच थैरेपिस्ट द्वारा समर्पित है। इसका उद्देश्य लोगों को आवाज की देखभाल के प्रति जागरूक करना और आवाज के महत्व को समझाना है। आवाज की देखभाल करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमारी संवाद की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। हमें अपनी आवाज की देखभाल करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए । जैसे-् अधिक जोर से ना बोलें. ज्यादा खट्टा या ठंडा ना खाएं, जिससे आवाज खराब हो। आवाज हमारी पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमें अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। कुदरत की इस नेमत की देखभाल करनी चाहिए।

आवाज का जीवन में महत्व : वंदना दुबे, धार

आवाज का सीधा अर्थ ध्वनि से लिया जाता है। मधुर, कर्कश, धीमी, तेज आदि। जहां मधुर ध्वनि कानों में मिश्री घोलती है वहीं कर्कश और आवाज मानसिक तनाव पैदा करती है । पहले तो लोग प्राकृतिक ध्वनियों जैसे हवा की सरसराहट, अग्नि की चड़चड़ाहट, बादलों की गड़गड़ाहट,पानी की कल-कल ध्वनियों से ही परिचित थे लेकिन तकनीकी विकास ने हमारे आसपास ही आवाज का दायरा बढ़ा दिया हम फ्रिज,कूलर ,एसी आदि की आवाजों के इतने आदि हो गए हैं कि विद्युत अवरोध के बाद का सन्नाटा हमें इस बात का आभास कराता है कि हम कितने शोरगुल में जी रहे हैं।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898 RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)